सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" अक्सर वही दिए हाथ जलाते हैं,
जिन्हें हम हवा से बचाते हैं...!! "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–180 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 19 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

मानसून सत्र में आ सकता है परिसीमन बिल, लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर हो सकती हैं 850

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

देश के राजनैतिक गलियारों में इस वक्त सबसे बड़ी हलचल आगामी मानसून सत्र और संभावित परिसीमन बिल को लेकर है। सूत्रों और राजनैतिक विश्लेषकों के मुताबिक, देश की राजनीति में अगले एक से डेढ़ महीने के भीतर बहुत बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है। कयास लगाए जा रहे हैं कि केंद्र सरकार संसद में परिसीमन बिल पेश कर सकती है, जिसके बाद लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बढ़कर सीधे 850 हो सकती है। इस मुद्दे पर विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस की रणनीति और बीजेपी के राजनैतिक गणित को लेकर कड़े कयास लगाए जा रहे हैं।

माना जा रहा है कि इस बिल के आने के बाद कई राजनैतिक दलों के चेहरे से मुखौटे उतरेंगे और यह साफ हो जाएगा कि कौन सी पार्टी पर्दे के पीछे

क्या खिचड़ी पका रही है।

जंतर-मंतर पर अनशन : सरकार के बजाय राहुल गांधी पर क्यों उठ रहे सवाल?

जंतर-मंतर पर चल रहे एक बड़े आंदोलन और अनशन को लेकर सोशल मीडिया और राजनैतिक हलकों में एक नया विमर्श खड़ा हो गया है। हैरान करने वाली बात यह है कि सोशल मीडिया पर इस बात की चर्चा कम है कि सरकार या प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर बात क्यों नहीं कर रहे हैं, बल्कि सवाल विपक्ष और राहुल गांधी पर उठाए जा रहे हैं।

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि इस संवेदनशील मुद्दे पर समूचे विपक्ष और 'इंडिया अलायंस' को एकजुट होकर जंतर-मंतर जाना चाहिए था, ताकि वे वहां जारी अनशन को तुड़वाकर अपना मजबूत समर्थन दर्ज करा सकें।

अंदरूनी राजनीति : टिकट वितरण को लेकर पार्टियों में असमंजस

मध्य प्रदेश, देहरादून और बिहार के राजनैतिक गलियारों से भी अंदरूनी खींचतान की खबरें आ रही हैं। उदाहरण के तौर पर बांकेपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव में उम्मीदवार के टिकट को लेकर भारी ड्रामा देखा गया, जहां महज दो दिन के भीतर घोषित प्रत्याशी का नाम पारिवारिक कारणों का हवाला देकर बदल दिया गया। इस तरह के फैसलों से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या राज्यों में उम्मीदवार तय करते समय पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्षों की सहमति भी ली जा रही है या फैसले कहीं और से थोपे जा रहे हैं।

गाड़ियों के लिए आफत बन रहा है एथेनॉल-ब्लेंडेड पेट्रोल?

सड़क से लेकर संसद तक अब एथेनॉल मिक्स पेट्रोल का मुद्दा भी गर्माने लगा है। हाल ही में कई बड़े नेताओं और आम जनता की गाड़ियों के चलते-चलते अचानक बंद होने के मामले सामने आए हैं। ऑटोमोबाइल एजेंसियों की जांच में यह बात सामने आ रही है कि गाड़ियों में आ रही इस तकनीकी खराबी के पीछे ईंधन में मिलाया जा रहा एथेनॉल एक बड़ी वजह हो सकता है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना से प्रदूषण भले कम हो रहा हो, लेकिन गाड़ियों के इंजन पर इसका बुरा असर चर्चा का विषय बना हुआ है।

वैश्विक मंच पर गहराया तनाव : क्या फिर बंद होगा 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज'?

अंतरराष्ट्रीय मोर्चे से भी एक चिंताजनक खबर आ रही है। अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान ने वैश्विक व्यापार के सबसे महत्वपूर्ण रास्ते 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को बंद करने की चेतावनी दी है, जिसके जवाब में अमेरिका ने भी इसे ब्लॉक करने की बात कही है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल की तुलना में मौजूदा स्थिति काफी संवेदनशील हो चुकी है। इस संभावित युद्ध या टकराव का मुख्य कारण भले ही अभी साफ न हो, लेकिन इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और कच्चे तेल की कीमतों पर बेहद घातक असर पड़ सकता है।

रायगढ़ डबल मर्डर का 72 घंटे में खुलासा

जमीन विवाद में दंपति की टांगी से हत्या, शव जलाकर सबूत मिटाने वाले 2 सगे भाई हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

रमजयगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम क्रोंधा देवमारीडांड में 14 जुलाई की रात जमीन विवाद में दंपति की निर्मम हत्या और शव जलाकर हादसे का रूप देने वाले दो सगे भाइयों को पुलिस ने 72 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने टांगी और घटना के समय पहने कपड़े भी जब्त किए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में पुलिस डॉग रूबी, एफएसएल टीम और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से ब्लाइंड डबल मर्डर का खुलासा हुआ।

भूमि विवाद में ली गई जान

जांच में सामने आया कि आरोपियों श्याम लाल राठिया 32 और जीवन लाल राठिया 48 ने वर्षों पुरानी रंजिश के चलते मंगल राठिया 65 और उनकी पत्नी पुनाई बाई राठिया 55 की टांगी से हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार वर्ष 2013 में खरीदी गई जमीन बाद में मूल विक्रेता ने अधिक कीमत पर मंगल राठिया को बेच दी थी। रकम वापस मिलने के बाद भी मृतक द्वारा उसी जमीन पर मकान बनाकर खेती करने से दोनों भाई नाराज थे। इसी के चलते उन्होंने 14 जुलाई की रात वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद दोनों ने शवों पर घर का सामान, कपड़े और सोफा कवर डालकर आग लगा दी और दो कमरों में भी आग लगा दी, ताकि इसे दुर्घटना साबित किया जा सके।

डॉग रूबी और FSL से खुला राज

15 जुलाई की सुबह मृतक के यहां काम करने वाले रामलाल चौहान जब पहुंचे तो घर का दरवाजा खुला था और अंदर से धुआं निकल रहा था। सूचना पर एसडीओपी सिद्धांत तिवारी, थाना प्रभारी राजेश जांगड़े, घरघोड़ा थाना प्रभारी कुमार गौरव साहू सहित FSL टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंची।

घटनास्थल से मिली टांगी की गंध लेकर पुलिस डॉग रूबी सीधे संदेही श्याम लाल तक पहुंची। एफएसएल साक्ष्य और तकनीकी पूछताछ में दोनों भाइयों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों के मेमोरेंडम पर हत्या में प्रयुक्त टांगी और कपड़े बरामद कर लिए गए।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। थाना धरमजयगढ़ में अपराध क्रमांक 189/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया।

बीएसपी में 250 टन स्क्रैप चोरी के बाद प्रबंधन का बड़ा एक्शन

हिमांशु ब्रदर्स और साईं एसोसिएट्स ब्लैकलिस्ट, 12 बैंक खाते फ्रीज, सीआईएसएफ इंस्पेक्टर से पूछताछ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में 250 टन लौह स्क्रैप चोरी के बहुचर्चित मामले के बाद बीएसपी प्रबंधन ने ठेका व्यवस्था और सुरक्षा तंत्र में सख्त कदम उठाए हैं। घोटाले में अनियमितता पाए जाने पर फ्लू डस्ट का काम संभालने वाली हिमांशु ब्रदर्स और क्रेन संचालन से जुड़ी साईं एसोसिएट्स को तत्काल प्रभाव से ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। इनके सभी कार्य अब अन्य ठेका कंपनियों को सौंपे गए हैं।

सूत्रों के मुताबिक यह बीएसपी प्रबंधन की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। ब्लैकलिस्ट की गई दोनों एजेंसियों से जुड़ी संबद्ध फर्मों को भी भविष्य के सभी ठेका कार्यों से प्रतिबंधित किया गया है।

पुलिस जांच में खुलीं कई परतें

26 मई को दुर्ग एसीयू और भिलाई-3 पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बीएसपी से 3.22 करोड़ रुपये मूल्य का 250 टन लौह स्क्रैप चोरी का खुलासा हुआ था। मौके से हाइवा, ट्रक, चेन माउंटेन, बैकहो लोडर समेत अन्य मशीनरी भी जब्त की गई।

इस मामले में बीएसपी के एक महाप्रबंधक,

इंजीनियरिंग एसोसिएट, ट्रांसपोर्टर, ठेका एजेंसियों के सुपरवाइजर समेत 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्य ट्रांसपोर्टर को नेपाल सीमा से पकड़ा गया। उसकी करीब 3 करोड़ की चल-अचल संपत्ति और बैंक लॉकर से 50 लाख के आभूषण जब्त कर राजसात किए गए।

फरार ठेकेदार पर शिकंजा, बैंक खाते सीज

पुलिस ने फरार मुख्य आरोपी और हिमांशु ब्रदर्स के संचालक हिमांशु खंडेलवाल पर शिकंजा कस दिया है। उसे आर्थिक रूप से पंगु बनाने के लिए उसके अलग-अलग बैंकों में

संचालित 12 बैंक खातों को फ्रीज करा दिया गया है। पुलिस को आशंका है कि एफआईआर के बाद वह विदेश भागने की फिराक में था।

जांच टीम ने शुक्रवार को सीआईएसएफ के एक इंस्पेक्टर को नोटिस देकर तलब किया। स्क्रैप की आवाजाही और सुरक्षा में चूक को लेकर इंस्पेक्टर से दिनभर कड़ी पूछताछ कर बयान दर्ज किए गए। बीएसपी के दो अधिकारियों पर भी कार्रवाई हो चुकी है।

सुरक्षा व्यवस्था की हो रही समीक्षा

घटना के बाद बीएसपी प्रबंधन ने पूरे सुरक्षा तंत्र की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। वेट ब्रिज, एसएमएस-3 समेत सभी संवेदनशील इकाइयों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। तकनीकी निगरानी और सतत मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

सीआईएसएफ की भूमिका की भी जांच जारी है। प्रबंधन का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठेका प्रणाली में पारदर्शिता और सुरक्षा में कड़ाई बरती जाएगी।

पुलिस का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर बिना मिलीभगत के संयंत्र से लोहा बाहर जाना संभव नहीं। सिंडिकेट से जुड़े अन्य बैंक खातों और वित्तीय कड़ियों को भी खंगाला जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल और अध्यक्ष डॉ. अजय यादव को जमानत

साढ़े 8 महीने बाद मिली राहत, हाईकोर्ट से पहले ही मिल चुकी थी जमानत

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-रायपुर

सुप्रीम कोर्ट ने क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल और संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय यादव को जमानत दे दी है। दोनों पिछले साढ़े 8 महीने से जेल में बंद थे। सुप्रीम कोर्ट की डिविजन बेंच ने यह राहत एक टिप्पणी से जुड़े मामले में दी है।

क्या है मामला : अमित बघेल 5 दिसंबर 2025 से जेल में बंद हैं। वहीं डॉ. अजय यादव को 3 फरवरी 2026 को बलौदाबाजार से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। दोनों पर सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी के मामले में कार्रवाई हुई थी।

सरकार ने किया था विरोध : जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश पक्षकार वकील ने जमानत का विरोध किया। सरकारी वकील ने दलील दी कि अमित बघेल को जमानत नहीं मिलनी चाहिए। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अमित बघेल के खिलाफ 32 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह बलौदाबाजार कांड के 'मास्टरमाइंड' हैं। इन तर्कों के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने दोनों को जमानत दे दी।

हाईकोर्ट से पहले ही मिल चुकी थी राहत : दिलचस्प है कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से अमित बघेल और डॉ. अजय यादव को करीब 3 महीने पहले ही जमानत मिल चुकी थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब उनके जेल से रिहा होने का रास्ता साफ हो गया है। क्रांति सेना से जुड़े कार्यकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है।

जिले में अब तक 331.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून से अब तक मानसून की अच्छी बारिश हुई है। कलेक्टर कार्यालय भू-अभिलेख शाखा से मिली जानकारी के अनुसार 1 जून से 18 जुलाई 2026 तक जिले में 331.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस अवधि में सर्वाधिक वर्षा तहसील बोरी में 459.1 मिमी दर्ज की गई, जबकि सबसे कम 228.0 मिमी वर्षा तहसील धमधा में हुई। अन्य तहसीलों का आंकड़ा इस प्रकार रहा: दुर्ग: 357.3 मिमी, पाटन: 359.4 मिमी, भिलाई-3: 302.1 मिमी और अहिवारा: 283.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 18 जुलाई को जिले की विभिन्न तहसीलों में हल्की बारिश दर्ज की गई।

कानून हाथ में लेने पर जीआरपी ने दबोचा यात्री, चोर की तलाश जारी

उरकुरा-मांड़र के बीच आजाद हिंद एक्सप्रेस में लात मारकर पायदान से गिराया, वीडियो वायरल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

चलती ट्रेन में चोरी के शक में एक यात्री द्वारा कानून हाथ में लेने का खौफनाक वीडियो सामने आने के बाद जीआरपी ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं ट्रेन के पायदान से लटका युवक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी पुलिस अब तलाश कर रही है। घटना 15 जुलाई को उरकुरा और मांड़र रेलवे स्टेशन के बीच आजाद हिंद एक्सप्रेस में हुई।

वीडियो में कैद हुई दरिंदगी

दूसरी बोगी में सफर कर रहे एक यात्री ने पूरी वारदात अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर ली। वायरल वीडियो में मैरून टी-शर्ट पहना युवक दरवाजे पर खड़ा दिखाई दे रहा है। वह ट्रेन के पायदान पर लटके युवक को पहले हाथ से मारता है, फिर सिर पर

कई बार लात बरसाता है। ट्रेन की रफ्तार धीमी होते ही लटका युवक नीचे जा गिरता है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गिरा हुआ युवक बांग्ला भाषा बोल रहा था और गिरने से गंभीर रूप से जख्मी हुआ है।

सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हिरासत में लिया

वीडियो वायरल होते ही आरपीएफ और जीआरपी हरकत में आई। आरोपी यात्री की पहचान आर सुरेश कुमार के रूप में हुई। उसे जांजगीर-चांपा स्टेशन पर ट्रेन से उतारकर हिरासत में लिया गया और रायपुर लाकर जीआरपी को सौंपा गया। जीआरपी ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2) और 117(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घायल युवक फरार

पुलिस के अनुसार ट्रेन से गिरा युवक ही चोरी का आरोपी बताया जा रहा है, लेकिन घटना के बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है ताकि उसका बयान लेकर मामले की तह तक पहुंचा जा सके। रेलवे अधिकारियों ने साफ कहा है कि कानून हाथ में लेना अपराध है। चोरी की शिकायत के लिए यात्रियों को आरपीएफ या जीआरपी को सूचित करना चाहिए, न कि खुद सजा देना।

सुपेला पुलिस की कार्रवाई, हेरोइन बेचने की तैयारी में 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ दुर्ग पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। थाना सुपेला पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर हेरोइन यानी चिट्टा की बिक्री की तैयारी कर रहे 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 8.85 ग्राम हेरोइन सहित लगभग 9.94 लाख की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार 18 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि लाल रंग की कार में सवार दो व्यक्ति कोसानगर गांधी नगर, सुपेला क्षेत्र में हेरोइन रखकर ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी में आरोपी मोह. इम्तियात उर्फ सरफराज 27 निवासी केलाबाड़ी के पास से 2.65 ग्राम हेरोइन कीमत 53,000 और एक रियलमी मोबाइल बरामद हुआ। वहीं आरोपी मोह. फैजान 27 निवासी तकियापारा के पास से 6.20 ग्राम हेरोइन कीमत 1,24,000, एक मोटोरोला मोबाइल और घटना में प्रयुक्त कार क्रमांक CG 07 CV 3587 कीमत 8,00,000 जब्त की गई। कुल जप्त संपत्ति का मूल्य लगभग 9,94,000 आंका गया है।

नव प्रवेशी बच्चों का हुआ स्वागत, दृष्टि बाधित बच्चों की प्रस्तुतियों को अतिथियों ने सराहा

नयन दीप विद्या मंदिर में नव प्रवेशी बच्चों को शिक्षा और लेखन को ध्यानपूर्वक देखा-सुना और बच्चों से प्रश्न पूछकर उनके जवाब दिए गए

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नयन दीप विद्या मंदिर में शुक्रवार को नव प्रवेशी बच्चों के स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दृष्टि बाधित बच्चों के गीत, संगीत और नाटक-प्रहसन की प्रस्तुतियों को अतिथियों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में पी.एस. बिंद्रा मौजूद रहे। संस्था के अध्यक्ष सी.एस. बाजवा के विदेश प्रवास के कारण अनुपस्थित रहने पर उनका संदेश सचिव ज्ञानचंद जैन ने पढ़ा। संदेश में उन्होंने कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी।

अतिथियों ने की रोटरी ट्रस्ट के कार्यों की सराहना

मुख्य अतिथि के रूप में समग्र शिक्षा धमतरी के जिला समन्वयक अनुराग त्रिवेदी उपस्थित थे। उन्होंने बच्चों की शिक्षा और लेखन को ध्यानपूर्वक

देखा-सुना और बच्चों से प्रश्न पूछकर उनके जवाब भी लिए।

विशेष अतिथि के रूप में हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के संचालक एवं समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू, प्रबंध ट्रस्टी पी.सी. लालवानी, एस. सजीव, रमेश पटेल, सिंधु ब्रादर मंडल के संरक्षक सुरेश रत्नानी, टीम कैट भिलाई अध्यक्ष दिनेश सिंघल, राम कुमार गुप्ता सहित भिलाई चैम्बर महिला टीम की सदस्याएं उपस्थित रहीं। सभी ने रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

प्राचार्या ने दी प्रगति रिपोर्ट

कार्यक्रम का संचालन सुमन कनौजिया ने किया। विद्यालय की प्राचार्या सुश्री श्वेता महोबिया ने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। शिक्षक मनीषा ओझा और अजय दुबे ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत और समापन राष्ट्रगीत से हुआ। अंत में सभी अतिथियों ने स्नेह भोज में भागीदारी की।

इस अवसर पर चंद्रशेखर आजाद उच्चतर विद्यालय स्टेशन मरोदा की प्राचार्या रोमा भट्टाचार्य, महिला चैम्बर भिलाई से गीता वर्मा, सविता शर्मा, रश्मि वर्मा, सुनीता सोनी, हरदीप कौर बग्गा, राधिका यादव, अनीता जैन, मीना श्रीमाल विशेष रूप से उपस्थित थीं। अतिथियों ने दृष्टि बाधित छात्र छवि गुप्ता और कु. सलोनी की कार्यशैली की सराहना करते हुए सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया।

खास खबर

HMGM जन सेवा समिति द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन] पीएम मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर स्वास्थ्य शिविर के पोस्टर का विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में HMGM जन सेवा समिति (मोदी ग्रुप) द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रचार पोस्टर का विमोचन वार्ड-15 के पार्षद संतोष मौर्य जी और भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री के 12 वर्षों के सुशासन, गरीब कल्याण और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में आम नागरिकों को विभिन्न रोगों की नि:शुल्क जांच, परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी। समिति के सदस्यों ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की। इस अवसर पर HMGM जन सेवा समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

भिलाई में 28 जुलाई को होगा भाजपा ओबीसी मोर्चा का प्रबुद्धजन सम्मेलन

कवर्धा जिला ओबीसी मोर्चा की बैठक में तैयारियों पर हुई चर्चा

कवर्धा। दुर्ग संभाग के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा द्वारा

28 जुलाई को भिलाई में प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसी कड़ी में गुरुवार को कवर्धा जिला ओबीसी मोर्चा की जिला बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्मेलन की तैयारियों, संगठनात्मक रणनीति और जिले से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

ये रहे उपस्थित : बैठक में मुख्य रूप से बैठक प्रभारी के रूप में महेश वर्मा उपस्थित रहे। इसके साथ ही भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, ओबीसी मोर्चा कवर्धा जिला प्रभारी खिलावन साहू, ओबीसी मोर्चा संभाग सहप्रभारी तुलसी साहू और ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष कृष्णा चंद्राकर मौजूद रहे। बैठक में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्रीगण भी शामिल हुए। पदाधिकारियों ने कहा कि प्रबुद्धजन सम्मेलन के माध्यम से ओबीसी समाज के बुद्धिजीवियों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं और समाजसेवियों से संवाद कर भाजपा की नीतियों और केंद्र-राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सम्मेलन के प्रचार-प्रसार और कार्यकर्ताओं को भिलाई पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

सड़क पर स्टंटबाजी करना युवक को पड़ा भारी

दुर्ग। सार्वजनिक सड़क पर मोटरसाइकिल से खतरनाक स्टंट कर सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाना एक युवक को महंगा पड़ गया। दुर्ग पुलिस के ऑपरेशन विश्वास के तहत थाना उतई पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए वाहन चालक की पहचान कर उसके खिलाफ मोटर व्हीकल अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार वायरल वीडियो में प्लसर मोटरसाइकिल क्रमांक CG 07 LW 8684 का चालक सार्वजनिक सड़क पर स्टंटबाजी करता दिखाई दे रहा था, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही थी और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही थी।

बीएसपी में विश्व जनसंपर्क दिवस पर "आई एम भिलाई" कॉफी टेबल बुक का हुआ विमोचन

भिलाई इस्पात संयंत्र में कनेक्टकॉन-2026 पीआर कॉन्क्लेव का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विश्व जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा शुक्रवार को भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में राष्ट्रीय स्तर का पीआर कॉन्क्लेव कनेक्टकॉन-2026 आयोजित किया गया। कॉन्क्लेव का उद्देश्य जनसंपर्क के क्षेत्र में उभरती तकनीकों, नवीन प्रवृत्तियों और बदलते संचार परिदृश्य पर चर्चा करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चितरंजन महापात्र रहे। उन्होंने कार्यपालक निदेशकों के साथ दीप प्रज्वलित कर कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित संयंत्र की कॉफी टेबल बुक "आई एम भिलाई" का भी विमोचन किया गया।

राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ हुए शामिल

कॉन्क्लेव में सेल की राउरकेला इस्पात संयंत्र, कॉर्पोरेट कार्यालय नई दिल्ली, वीआईएसएल, सेल रिफ्रैक्टरी यूनिट, चंद्रपुर फेरो अलॉय प्लांट के जनसंपर्क प्रतिनिधियों के साथ आकाशवाणी, पीआईबी, दूरदर्शन, एनएसपीसीएल, एसबीआई, माई भारत सहित विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हुए। संयंत्र के विभिन्न विभागों के आंतरिक संसाधन व्यक्तियों ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक ए. के. चक्रवर्ती, प्रवीण निगम, पवन कुमार, पी. के. सरकार, कमल भास्कर, अरुण कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक तुषार कांत सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसंपर्क आज रणनीतिक उपकरण : निदेशक प्रभारी : निदेशक प्रभारी चितरंजन महापात्र ने कहा कि आज जनसंपर्क केवल सूचना प्रसारित करने का माध्यम नहीं, बल्कि विश्वास निर्माण और हितधारकों से संवाद का रणनीतिक उपकरण है। उन्होंने कहा कि सेल की उत्पादन क्षमता 20 मिलियन टन से बढ़ाकर 30 मिलियन टन और भिलाई संयंत्र की क्षमता 6.8 मिलियन टन से बढ़ाकर 10.2 मिलियन टन करने की योजना राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में जनसंपर्क पेशेवरों की भूमिका अहम है। महाप्रबंधक प्रभारी अमूल्य प्रियदर्शी ने स्वागत उद्बोधन में कॉन्क्लेव की रूपरेखा प्रस्तुत की।

पेचा-कुचा और पैनल चर्चा

कॉन्क्लेव का पहला सत्र पेचा-कुचा प्रारूप पर आधारित रहा। इसमें 20 स्लाइडों के माध्यम से 20-20 सेकंड की प्रस्तुतियां दी गईं। सत्र में पीआईबी रायपुर के कुणाल व्यास, आकाशवाणी रायपुर के शौकत इमाम खान, एनएसपीसीएल की भावना नायक, एसबीआई के अधिकारी और संयंत्र की उप प्रबंधक शालिनी चौरसिया सहित कई वक्ताओं ने जनसंपर्क की आधुनिक कार्यप्रणालियों पर विचार रखे।

इसके बाद "ट्रुथ, ट्रस्ट एंड टेक्नोलॉजी: टेकिंग पीआर टू द नेक्स्ट लेवल" विषय पर पैनल चर्चा हुई। इसका संचालन अमूल्य प्रियदर्शी ने किया और नेतृत्व एसपीएस जग्गी तथा आईआईएम रायपुर के डॉ. मृणाल चावड़ा ने किया। कार्यक्रम के दौरान जनसंपर्क विभाग की लघु फिल्में दिखाई गईं। माइंड मेज गतिविधि और मीडिया, ब्रांड व जनसंपर्क पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने विजेताओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में सूचनाओं का प्रवाह तेज है। ऐसे में संगठनों को विश्वसनीय माध्यमों से समय पर, सटीक और प्रामाणिक जानकारी साझा करना जरूरी है, ताकि हितधारकों के साथ पारदर्शी संवाद बना रहे। कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक अपर्णा चंद्रा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शालिनी चौरसिया ने प्रस्तुत किया। आयोजन को सफल बनाने में जवाहर बाजपेयी सहित जनसंपर्क विभाग की टीम का विशेष योगदान रहा।

पशु चिकित्सा महाविद्यालय में सूकर पालन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण

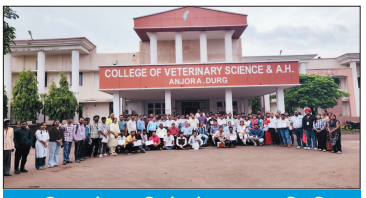

75 किसानों-उद्यमियों को प्रमाण पत्र वितरित, वैल्यू एडिशन और बैंक लोन की दी गई जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कुलपति डॉ. आर.आर.बी. सिंह के मार्गदर्शन तथा अधिष्ठाता डॉ. सुशांत पाल और निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ. मनोज गेंदले के निर्देशन में पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय अंजोरा में तीन दिवसीय "सूकर पालन प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास प्रशिक्षण" गुरुवार को संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण के अंतिम दिन डीन डॉ. सुशांत पाल, संयुक्त संचालक डॉ. एस.एल. उइके, निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ. मनोज कुमार गेंदले, निदेशक फार्म डॉ. धीरेंद्र भौंसले, प्रोफेसर डॉ. के. दास, विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी डॉ. दिलीप चौधरी, प्रशिक्षण आयोजक डॉ. रामचंद्र रामटेके, सहा. प्राध्यापक डॉ. डी.के. जोल्हे, डॉ. दीप्ति, डॉ. रजनी, डॉ. जागृति, डॉ. भानु की उपस्थिति में छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्यप्रदेश के 75 सूकर पालक किसान एवं उद्यमियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र एवं प्राध्यापकगण भी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में दी गई ये जानकारी

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा सूकर की नस्लें, नस्ल सुधार, पोषण प्रबंधन, आवास, चारा प्रबंधन, वैल्यू एडिशन, मांस उत्पादन तकनीक, विभिन्न बीमारियों एवं रोकथाम, पारंपरिक एवं प्राथमिक चिकित्सा पर व्याख्यान दिए गए।

प्रगतिशील उद्यमी ग्रेसि दुग्गा के साथ इंटरेक्शन सत्र भी हुआ। किसानों को सूकर पालन की विभिन्न शासकीय योजनाओं, बैंक लोन प्रक्रिया, सूकर फार्म प्रबंधन और चारा उत्पादन इकाई की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को महाविद्यालय के सूकर फार्म एवं अन्य इकाइयों का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वंदना भगत ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शब्बीर अनंत द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दुर्ग में विशेष लोक अदालत सफल, 449 चेक बाउंस मामले निराकृत

13 .88 करोड़ की समझौता राशि, 15 खंडपीठों में हुई सुनवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए शुक्रवार को पूरा भारत जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में प्रथम विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। अदालत में 449 मामले आपसी समझौते से सुलझाए गए और 13 करोड़ 88 लाख 5 हजार 129 रुपये की समझौता राशि तय की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने जिला दंतेवाड़ा से वर्चुअल माध्यम से किया। इस दौरान प्रदेशभर के न्यायाधीश वर्चुअल रूप से जुड़े। मुख्य न्यायाधिपति ने लोक अदालत को न्याय सुलभ कराने का प्रभावी माध्यम बताते हुए अधिक से अधिक चेक बाउंस प्रकरणों के निराकरण के लिए न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं और बैंकों से समन्वय से काम करने का आह्वान किया।

15 खंडपीठों में हुई सुनवाई

ठअछरअ और रछरअ के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष लोक अदालत के लिए दुर्ग जिले में 15 खंडपीठों का गठन किया गया था। कुल 1001 प्रकरण चिन्हांकित किए गए थे, जिनमें से 449 का निराकरण हुआ।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बसंत, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी आकांक्षा राठौर और अंजली सिंह की विशेष टीम ने अधिवक्ताओं और पक्षकारों से लगातार संपर्क कर समझौते के लिए प्रेरित किया।

मध्यस्थता और बैंकों का मिला सहयोग

मध्यस्थता केंद्र दुर्ग के न्यायाधीशों ने पक्षकारों को समझाइश देकर कई मामलों में सहमति बनवाई। जिला अधिवक्ता संघ और विभिन्न राष्ट्रीयकृत व निजी बैंकों के अधिकारियों ने भी प्रकरणों के सौहार्दपूर्ण निपटारे में सक्रिय भूमिका निभाई। दुर्ग के विभिन्न विधि महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी भाग लेकर व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपसी समझौते से न केवल न्यायालयों पर भार कम होता है, बल्कि पक्षकारों के समय, धन और श्रम की बचत भी होती है तथा व्यावसायिक संबंध भी बने रहते हैं।

"भिलाई बचाओ अभियान" का हुआ शुभारंभ, जनसंपर्क किया गया तेज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ की साप्ताहिक बैठक शनिवार को गणेश पूजा पंडाल, सेंट्रल एवेन्यू, सेक्टर-2 में हुई। बैठक में बीएसपी प्रबंधन की नीतियों और टाउनशिप से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के बाद "भिलाई बचाओ अभियान" के तहत जनसंपर्क अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया। संघ ने भिलाई के नागरिकों, कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, लाइसेंसधारियों, रिटेंशनधारियों, लीजधारकों, गुमटी संचालकों और व्यापारी वर्ग से अभियान में एकजुट होने का आह्वान किया।

आठ महीने से समस्या जस की तस

संघ ने कहा कि पिछले लगभग आठ महीनों से जनप्रतिनिधियों और बीएसपी प्रबंधन के अधिकारियों के समक्ष समस्याएं उठाई जा रही हैं। कई बार ज्ञापन भी सौंपे गए, लेकिन अभी तक संतोषजनक समाधान नहीं हुआ है। केवल आश्वासन मिलने से प्रभावित लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

बैठक में कहा गया कि किराया वृद्धि, नोटिस जारी करना और टाउनशिप से जुड़े अन्य मामलों के कारण रिटेंशनधारी, लाइसेंसधारी, लीजधारक और व्यापारी वर्ग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। इससे आम जनता में चिंता और आक्रोश का माहौल है।

सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ ने आंदोलन को दिया व्यापक स्वरूप

5000-6000 सदस्यों तक पहुंचने का लक्ष्य

संघ ने बताया कि सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ अब सैकड़ों से बढ़कर हजारों सदस्यों का संगठन बन चुका है। आने वाले सप्ताहों में सदस्य संख्या 5000 से 6000 तक पहुंचने की संभावना है। बड़ी संख्या में लोग अभियान से जुड़कर समर्थन दे रहे हैं।

संघ ने स्पष्ट किया कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से व्यापक जनआंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। आंदोलन का स्वरूप समयानुसार तय किया जाएगा।

अंत में संघ ने बीएसपी और सेल प्रबंधन से प्रभावित लोगों की समस्याओं का जल्द समाधान करने का आग्रह किया। संघ ने कहा कि समय रहते कारवाई न होने पर भविष्य में होने वाले जनआंदोलन की जिम्मेदारी संबंधित प्रबंधन की होगी।

भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष नियुक्त हुए अमित

संगठन को मजबूत करने के लिए सौंपी गई जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता युवा मोर्चा कैम्प मंडल की कमान अब अमित कुमार को सौंपी गई है। भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, प्रदेश उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही के अनुमोदन, जिला प्रभारी रामजी भारती की अनुमति तथा भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल और कैम्प मंडल अध्यक्ष तरुण सिंह की सहमति से अमित कुमार को यह दायित्व दिया गया है।

भाजपा ने अमित कुमार की पिछले 4 वर्षों की सक्रियता, समर्पण और कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से यह नियुक्ति की गई है।

नियुक्ति के बाद अमित कुमार ने संगठन के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है उसे पूर्ण निष्ठा और समर्पण से निभाऊंगा। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, युवाओं को भारतीय जनता युवा मोर्चा से जोड़ने और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने का काम करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन-प्रशासन की खनन क्षेत्र में एक और उपलब्धि

सीएमडीसी और जेएनएआरडीसी के बीच ऐतिहासिक एमओयू, क्रिटिकल मिनरल्स के अनुसंधान को मिलेगी नई दिशा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "क्रिटिकल मिनरल मिशन" और "आत्मनिर्भर भारत" के विजन को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने खनन क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक और सतत उपयोग पर लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में आज छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएमडीसी) और जवाहरलाल नेहरू एल्युमिनियम अनुसंधान, विकास एवं डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीसी), नागपुर के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।

अनुसंधान और मूल्य संवर्धन को मिलेगी गति

इस एमओयू के तहत वैज्ञानिक अनुसंधान, खनन, खनिज संसाधनों के मूल्य संवर्धन और क्रिटिकल मिनरल्स के विकास को नई दिशा मिलेगी। इससे राज्य में उपलब्ध खनिज संपदा का योजनाबद्ध, समयबद्ध और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा।

एमओयू एक्सचेंज कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय खान ब्यूरो के कंट्रोलर जनरल एवं जेएनएआरडीसी के निदेशक पंकज कुलश्रेष्ठ ने कहा कि अनुसंधान आधारित खनिज विकास और संस्थागत सहयोग राज्य और देश के खनिज क्षेत्र के लिए दूरगामी परिणाम देगा।

भारतीय खान ब्यूरो के कंट्रोलर ऑफ माइंस बी.एल. गुर्जर ने सीएमडीसी और खनिज साधन विभाग के बेहतर समन्वय की सराहना करते हुए कहा कि यह तालमेल राज्य के खनिज क्षेत्र को नई गति देगा।

शोध की नई दिशाएं

कार्यक्रम में सीएमडीसी के महाप्रबंधक यू.के. कुरैशी ने निगम की 25 वर्षों की यात्रा, प्रमुख उपलब्धियों और भविष्य की काययीजनाओं पर प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में खनिज संसाधनों की अपार संभावनाएं हैं।

रीजनल कंट्रोलर ऑफ माइंस प्रेम प्रकाश ने सीएमडीसी की टिन और कोरंडम परियोजनाओं की सराहना की और कहा कि इनसे स्थानीय लोगों को रोजगार और खनिज क्षेत्र में पारदशिर्ता को बल मिला है।

जेएनएआरडीसी के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. उपेंद्र सिंह ने बताया कि संस्थान रेड मड से गैलियम-वैनेडियम और बॉक्साइट के उप-उत्पादों से स्कैंडियम की रिकवरी पर शोध कर रहा है। ऐसे अनुसंधान भारत को क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएंगे।

एमओयू का आदान-प्रदान

एमओयू का औपचारिक आदान-प्रदान पंकज कुलश्रेष्ठ और सीएमडीसी के मुख्य महाप्रबंधक संजय कनकने ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन भी संजय कनकने ने दिया। इस अवसर पर सीएमडीसी के अध्यक्ष सौरभ सिंह, खनिज साधन विभाग के सचिव पी. दयानंद और प्रबंध संचालक रजत बंसल का मार्गदर्शन रहा।

वक्ताओं ने विश्वास जताया कि यह साझेदारी खनिज अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और सतत खनन को नई ऊंचाई देगी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार प्राकृतिक संपदा को विकास का आधार बनाकर औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति को गति दे रही है।

खास खबर

सरकार के लिए आईना, विपक्ष के लिए चुनौती : अजय चंद्राकर

देवेन्द्र किशोर गुप्ता / रायपुर

ऐसा विधायक जो सरकार को भी टोकता है और विपक्ष को भी रोकता है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में अगर कोई ऐसा नेता है, जिसे सुनने के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों बराबर उत्सुक रहते हैं, तो वह हैं पूर्व मंत्री कुरूद विधायक अजय चंद्राकर। उनकी राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सत्ता पक्ष के विधायक होकर भी अपनी ही सरकार से ऐसे सवाल पूछते हैं, जैसे विपक्ष का सबसे अनुभवी नेता पूछ रहा हो। कई बार जिन मुद्दों तक विपक्ष भी नहीं पहुंच पाता, उन्हें अजय चंद्राकर तथ्यों, नियमों और पूरी तैयारी के साथ सदन के बीचों-बीच रख देते हैं। उनके सवालों से मंत्री असहज हो जाते हैं, अधिकारी फाइलें खंगालने लगते हैं और पूरा विभाग जवाब तलाशने में जुट जाता है। इसलिए विधानसभा की कार्यवाही देखने वाले अक्सर कहते हैं कि सदन में सरकार को सबसे कठिन सवाल विपक्ष नहीं, बल्कि अपनी ही पार्टी का यह वरिष्ठ विधायक पूछता है।

अजय चंद्राकर की राजनीति को केवल सरकार की आलोचना के नजरिए से नहीं समझा जा सकता। उनका अंदाज बिल्कुल अलग है। वे अपनी सरकार की कमियां छिपाने में विश्वास नहीं रखते। जहां चूक दिखाई देती है, वहां बिना लाग-लपेट सवाल करते हैं। लेकिन इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि वे अपनी सरकार के विरोधी हैं। जैसे ही विपक्ष तथ्यों से हटकर केवल राजनीतिक आरोपों के सहारे सरकार को घेरने की कोशिश करता है, वही अजय चंद्राकर सरकार के सबसे मजबूत पक्षकार बनकर खड़े हो जाते हैं। वे सरकार की गलतियों पर भी बोलते हैं और सरकार का पक्ष भी उतनी ही मजबूती से रखते हैं। शायद यही कारण है कि विपक्ष भी उन्हें पूरी तरह अपना नहीं मान पाता और सत्ता पक्ष भी उन्हें केवल औपचारिक समर्थक नहीं मान सकता।

उनकी भूमिका को यदि एक उदाहरण से समझना हो, तो वह किसी परिवार के बड़े भाई जैसी है। बड़ा भाई अपने छोटे भाई की गलती पर सबसे पहले उसी को डांटता है, उसकी कमियां गिनाता है और उसे सुधारने की कोशिश करता है। लेकिन यदि बाहर का कोई व्यक्ति उसी छोटे भाई का अपमान करने लगे, तो सबसे पहले वही बड़ा भाई उसके सामने खड़ा हो जाता है। विधानसभा में अजय चंद्राकर की भूमिका भी कुछ ऐसी ही दिखाई देती है। अपनी सरकार की जवाबदेही तय करना वे अपना अधिकार भी मानते हैं और जिम्मेदारी भी। लेकिन सरकार की गरिमा पर बिना आधार के हमला हो, तो उसका प्रतिवाद करना भी उतनी ही मजबूती से जानते हैं।

आज की राजनीति में यह शैली कम दिखाई देती है। अधिकांश सत्ता पक्ष के विधायक सरकार का हर हाल में बचाव करते नजर आते हैं और अधिकांश विपक्ष हर निर्णय का विरोध करता है। लेकिन अजय चंद्राकर इन दोनों ध्रुवों के बीच एक अलग राजनीतिक शैली प्रस्तुत करते हैं। वे न तो अंध समर्थन के पक्षधर दिखते हैं और न ही केवल विरोध के लिए विरोध करने में विश्वास रखते हैं। सदन में उनका हर हस्तक्षेप यह संदेश देता है कि सरकार की मजबूती केवल बहुमत से नहीं, बल्कि जवाबदेही से भी तय होती है।

यही कारण है कि विधानसभा में उनके बोलने के दौरान सत्ता पक्ष के मंत्री भी पूरी गंभीरता से सुनते हैं। उन्हें पता होता है कि सवाल केवल राजनीतिक नहीं होंगे, बल्कि विभागीय तैयारी, प्रशासनिक दक्षता और निणर्यों की गुणवत्ता की भी परीक्षा होगी। दूसरी ओर विपक्ष भी ध्यान से सुनता है, क्योंकि कई बार जिन मुद्दों को वह उठाना चाहता है, उन्हें अजय चंद्राकर पहले ही सदन में उठा चुके होते हैं। लेकिन यदि विपक्ष तथ्यों से भटक जाए, तो सबसे पहले उसी का जवाब भी अजय चंद्राकर देते हैं।

इस बार भाजपा ने उन्हें मंत्रिमंडल में स्थान नहीं दिया। इसके पीछे पार्टी की अपनी राजनीतिक और संगठनात्मक सोच हो सकती है। लेकिन विधानसभा की कार्यवाही देखने वालों के बीच एक धारणा अवश्य बनती है कि बिना मंत्री बने भी उनका प्रभाव कई मंत्रियों से कम नहीं दिखता। सदन में उनकी तैयारी, विषयों पर पकड़ और बेबाक सवाल उन्हें अलग पहचान देते हैं।

लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी ताकत केवल मजबूत विपक्ष नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष के भीतर मौजूद आत्ममंथन की संस्कृति भी होती है। जब सत्ता में बैठे लोग ही अपनी सरकार से कठिन सवाल पूछते हैं, तब शासन अधिक जवाबदेह बनता है। अजय चंद्राकर की शैली इसी लोकतांत्रिक परंपरा की याद दिलाती है। शायद यही कारण है कि उन्हें केवल भाजपा का वरिष्ठ विधायक कहना पर्याप्त नहीं होगा। विधानसभा में उनकी भूमिका कई बार ऐसी दिखाई देती है, जहां वे सत्ता पक्ष में रहकर भी विपक्ष की जिम्मेदारी निभाते हैं और जरूरत पड़ने पर विपक्ष को भी उसकी सीमाएं याद दिला देते हैं। यही संतुलन उन्हें छत्तीसगढ़ की राजनीति के सबसे अलग और प्रभावशाली नेताओं की श्रेणी में खड़ा करता है।

गिरा अविश्वास प्रस्ताव, मुख्यमंत्री साय बोले- यह प्रस्ताव छग की 3 करोड़ लोगों के विश्वास के खिलाफ

विपक्ष के अविस्वास प्रस्ताव पर 14 घंटे से ज्यादा देर तक चली बहस, सीएम साय ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवें और आखिरी दिन करीब 14 घंटे 30 मिनट चली चर्चा के बाद साय सरकार के खिलाफ कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिर गया। विधानसभा में विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह प्रस्ताव सरकार के विरुद्ध नहीं, बल्कि प्रदेश की तीन करोड़ जनता के विश्वास और जनादेश के विरुद्ध है। सीएम साय ने कहा कि अगला विधानसभा चुनाव भी भाजपा जीतेगी और इस बार 70 से ज्यादा सीटें आएंगी, जबकि कांग्रेस अगले 25 साल तक सत्ता में नहीं लौटेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव तथा नगरीय निकाय चुनावों में जनता ने विकास, सुशासन और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में राज्य सरकार ने जनता से किए गए अधिकांश वादों और मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की उपलब्धियां स्वयं उसकी कायर्शैली और जनविश्वास का प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों, महिलाओं, गरीबों, युवाओं, आदिवासियों तथा समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण को सरकार ने सवोच्च प्राथमिकता दी है। किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, दो वर्षों के बकाया बोनस का भुगतान, महतारी वंदन योजना के माध्यम से लगभग 70 लाख महिलाओं को 18,800 करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान राशि तथा गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। महतारी वंदन योजना के साथ-साथ 10 लाख 40 हजार से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाया गया है। महिलाओं के संपत्ति अधिकारों को मजबूत करने के लिए रजिस्ट्री शुल्क में 50 प्रतिशत तथा स्टांप शुल्क में एक प्रतिशत की छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों को पुनः रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं और महिलाओं का आशीर्वाद ही सरकार की सबसे बड़ी शक्ति है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए रिकॉर्ड धान खरीदी, कृषक उन्नति योजना, शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण, फसल विविधीकरण, उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता तथा सिंचाई क्षमता के विस्तार जैसे अनेक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जल संसाधन परियोजनाओं के लिए रिकॉर्ड प्रशासनिक स्वीकृतियां दी गई हैं तथा सिंचाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आदिवासी समाज के विकास के लिए सरकार ने अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक बढ़ाया गया, चरणपादुका योजना पुनः प्रारंभ की गई तथा वनाधिकार पत्रधारकों को राहत देने वाले निर्णय लिए गए। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान तथा प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से हजारों जनजातीय गांवों और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय परिवारों तक सड़क, बिजली, पेयजल, आवास और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। जनजातीय युवाओं के लिए दिल्ली स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल का विस्तार, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी तथा जनजातीय संग्रहालय और शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक जैसी पहलें भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कानून व्यवस्था को मजबूत करने और नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सुरक्षा, विकास और जनविश्वास की रणनीति के माध्यम से प्रदेश में शांति का नया वातावरण बना है। रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू की गई है तथा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए नए साइबर थानों की स्थापना की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास के अधिक अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति के कारण राज्य में निवेश का वातावरण मजबूत हुआ है। देश और विदेश में आयोजित निवेश सम्मेलनों के माध्यम से 8 लाख 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे लाखों रोजगार सृजित होंगे। वस्त्र उद्योग, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई-सेज, डेटा सेंटर पार्क तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में सरकार ने उत्पादन, पारेषण, वितरण और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 76 हजार से अधिक घरों में सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं तथा मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के माध्यम से 12 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को राहत दी गई है। किसानों के सिंचाई पंपों का बड़े पैमाने पर ऊर्जीकरण किया गया है तथा राज्य ने प्लांट लोड फैक्टर के मामले में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

सीएससी स्थापना दिवस पर PACS ड्रोन मॉडल को मिली विशेष पहचान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) ई-गवर्नेंस सविर्सेज इंडिया लिमिटेड के 17वें स्थापना दिवस के अवसर पर पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित धोनो धान्यो ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले की अभिनव पहल PACS ड्रोन मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान मिली। कार्यक्रम में जिले द्वारा प्राथमिक कृषि साख समितियों के माध्यम से संचालित ड्रोन सेवाओं, डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा किसान पंजीयन (फार्मर रजिस्ट्री) जैसे नवाचारों की सराहना की गई। समारोह के मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष थे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत धमतरी जयंत नाहटा ने PACS के माध्यम से कृषि उन्नयन विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लेते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रोन सेवाओं के विस्तार तथा ढअउर को वन स्टॉप रूरल सर्विस सेंटर के रूप में विकसित करने की काययीजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले की 10 प्राथमिक कृषि साख समितियों के माध्यम से ड्रोन द्वारा तरल उर्वरकों का छिड़काव किया जा रहा है, जो छत्तीसगढ़ में धमतरी जिले की एक अभिनव पहल है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में ढअउर के माध्यम से किसानों को कृषि यंत्रीकरण, डिजिटल सेवाएं, फसल सर्वेक्षण, किसान पंजीयन, वित्तीय एवं बैंकिंग सेवाओं सहित विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने की योजना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक कृषि सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी तथा किसानों को तकनीक आधारित सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त होगा। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत कम करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएससी-व्हीएलई को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल शासन के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अपर मुख्य सचिव, भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के सचिव तथा सीएससी ई-गवर्नेंस सविर्सेज इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिल कुमार सहित देशभर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं सीएससी प्रतिनिधि उपस्थित थे।

चौहान ग्रुप की ऐतिहासिक पहल : सर्विस सेंटर का उद्घाटन और पंचवटी वृक्षारोपण अभियान शुरू

भैय्याजी जोशी और डॉ. रमन सिंह की उपस्थिति में हुआ भव्य समारोह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सेवा, उद्योग और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ते हुए चौहान ग्रुप फाउंडेशन ने रायपुर में ऐतिहासिक पहल की। तातीबंध स्थित चौहान ग्रुप रिसॉर्ट्स में शुक्रवार को अशोक लेलैंड हेवी कमर्शियल व्हीकल्स सर्विस सेंटर का विधिवत उद्घाटन और पंचवटी वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ गरिमामय समारोह में किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं पूर्व सरकार्यवाह परम पूजनीय सुरेश भैय्याजी जोशी और छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। समाज, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन और विभिन्न सामाजिक संगठनों के गणमान्य जन भी समारोह में शामिल हुए।

दीप प्रज्ज्वलन और नारियल फोड़कर हुआ शुभारंभ : कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ वंदना, दीप प्रज्ज्वलन और नारियल फोड़कर पारंपरिक तरीके से हुई। इसके बाद नवीन सर्विस सेंटर का लोकार्पण किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के संकल्प के साथ पंचवटी वृक्षारोपण अभियान का भी शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि उद्योग, सेवा और पर्यावरण संरक्षण का समन्वय ही विकसित भारत की आधारशिला है। समाज की भागीदारी से किए जाने वाले ऐसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होंगे।

सामाजिक उत्तरदायित्व का संकल्प दोहराया : चौहान ग्रुप फाउंडेशन ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, स्वरोजगार, कौशल विकास और जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। फाउंडेशन का उद्देश्य केवल औद्योगिक विकास नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग तक सेवा और संवेदनशीलता पहुंचाना है। समारोह के अंत में अतिथियों को स्मृति-चिन्ह और शॉल से सम्मानित किया गया। सभी आगंतुकों के लिए हाई-टी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का समापन पंचवटी परिसर में सामूहिक वृक्षारोपण के साथ हुआ। इस आयोजन को उद्योग जगत और समाजसेवी संगठनों ने एक साथ विकास और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला कदम बताया।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु

- अशोक लेलैंड हेवी कमर्शियल व्हीकल्स सर्विस सेंटर का उद्घाटन
- पंचवटी वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ
- सुरेश भैय्याजी जोशी और डॉ. रमन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति
- सेवा, उद्योग एवं पर्यावरण संरक्षण का समन्वित संदेश
- चौहान ग्रुप फाउंडेशन द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के नए अध्याय की शुरुआत

निवेश का नया भरोसा बना छग : आसान नियम व संस्थागत माहौल से बना देश के बड़े राज्यों में नंबर वन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निवेशक-हितैषी नीतियों, सुशासन और प्रशासनिक सुधारों का असर अब राष्ट्रीय स्तर पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। क्रिसिल-नीति आयोग इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स 2026 में छत्तीसगढ़ ने नियमों में आसानी और संस्थागत माहौल जैसे निवेश के सबसे महत्वपूर्ण मानकों में देश के 17 बड़े राज्यों में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं पर्यावरणीय लचीलेपन में राज्य दूसरे स्थान पर रहा है। यही नहीं, निवेशकों के बढ़ते विश्वास का परिणाम है कि पिछले 18 महीनों में छत्तीसगढ़ को लगभग 8 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें सेमीकंडक्टर, एआई डेटा सेंटर, टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल्स और एग्रो-प्रोसेसिंग जैसे भविष्य के उद्योग भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरकार की बागडोर संभालने के बाद से ही निवेश, उद्योग और रोजगार को प्राथमिकता देते हुए शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल और जवाबदेह बनाने पर विशेष जोर दिया है। उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की इसी नीति का परिणाम है कि राष्ट्रीय स्तर के स्वतंत्र आकलन में छत्तीसगढ़ ने कई स्थापित औद्योगिक राज्यों को पीछे छोड़ते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। क्रिसिल और नीति आयोग के संयुक्त आकलन में राज्य को कुल 47.5 अंक प्राप्त हुए हैं। समग्र रैंकिंग में छत्तीसगढ़ 17 बड़े राज्यों में नौवें स्थान पर है, लेकिन निवेशकों के भरोसे से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण मानकों में उसका प्रदर्शन देश में सर्वश्रेष्ठ रहा है।

कारोबार शुरू करना पहले से कहीं आसान : नियमों में आसानी के मानक में छत्तीसगढ़ को 12 में से 8.4 अंक मिले हैं, जो राजस्थान, गुजरात, पंजाब और तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों से भी अधिक हैं। यह मानक इस बात का आकलन करता है कि किसी उद्योग को मंजूरी मिलने में कितना समय लगता है, एनओसी, निर्माण अनुमति, बिजली और पानी के कनेक्शन कितनी तेजी से उपलब्ध होते हैं, वाणिज्यिक न्यायालय कितनी प्रभावी ढंग से कार्य करते हैं और व्यवसाय बंद करने की प्रक्रिया कितनी सरल है। इस श्रेणी में पहला स्थान मिलने का सीधा अर्थ है कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों को कम प्रशासनिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है। अनुमतियां तेजी से मिलती हैं, अनुपालन की लागत कम है और निवेशकों को हर स्तर पर बेहतर प्रशासनिक सहयोग प्राप्त होता है।

मजबूत संस्थागत व्यवस्था बनी निवेशकों की ताकत : संस्थागत माहौल में भी छत्तीसगढ़ ने 6 में से 4.5 अंक प्राप्त कर देश के बड़े राज्यों में पहला स्थान हासिल किया है। यह श्रेणी शासन की गुणवत्ता, आर्थिक अपराध, साइबर अपराध, श्रमिक विवाद, नीतिगत स्थिरता और शिकायतों के त्वरित समाधान जैसे पहलुओं का मूल्यांकन करती है। इस उपलब्धि से स्पष्ट है कि राज्य में स्थिर, भरोसेमंद और निवेशक-अनुकूल प्रशासनिक व्यवस्था विकसित हुई है। उद्योगों को नीति में निरंतरता, त्वरित निर्णय और विवादों के शीघ्र समाधान का लाभ मिल रहा है, जिससे दीघर्कालीन निवेश का विश्वास मजबूत हुआ है।

पर्यावरणीय सुरक्षा में भी अग्रणी : पर्यावरणीय लचीलापन के मानक में छत्तीसगढ़ देश के बड़े राज्यों में दूसरे स्थान पर रहा है। राज्य को 5 में से 4 अंक प्राप्त हुए हैं और इस श्रेणी में केवल तमिलनाडु उससे आगे है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारी के मामले में भी छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन बड़े राज्यों के औसत से काफी बेहतर रहा है। इसका अर्थ यह है कि औद्योगिक परिसंपत्तियां और आपूर्ति श्रृंखला अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित हैं, जिससे दीर्घकालीन निवेश के लिए राज्य की विश्वसनीयता और बढ़ती है।

संसाधनों और वित्तीय अनुशासन ने बढ़ाया भरोसा : संसाधनों की उपलब्धता के मामले में छत्तीसगढ़ बड़े राज्यों में तीसरे स्थान पर है। राज्य देश का दूसरा सबसे बड़ा कोयला एवं लिग्नाइट उत्पादक है तथा धातु और अधात्विक खनिजों के उत्पादन में भी अग्रणी राज्यों में शामिल है। वित्तीय स्वास्थ्य के मानक में राज्य को 7 में से 5.4 अंक प्राप्त हुए हैं, जो मजबूत वित्तीय प्रबंधन और नीतिगत स्थिरता का संकेत हैं। राज्य के सकल मूल्य वर्धित में उद्योग क्षेत्र की 52.8 प्रतिशत हिस्सेदारी इसे देश की सबसे अधिक औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं वाले राज्यों की श्रेणी में स्थापित करती है। छत्तीसगढ़ की एक बड़ी ताकत उसकी ऊर्जा उपलब्धता भी है। राज्य में उद्योगों को पर्याप्त और भरोसेमंद बिजली प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध हो रही है। महिलाओं की कार्यबल में 58.1 प्रतिशत भागीदारी बड़े राज्यों के औसत से लगभग 41 प्रतिशत अधिक है। वहीं कारोबार बंद करने की प्रक्रिया में कानूनी और अन्य संबंधित खर्च भी देश में सबसे कम लागत वाले राज्यों में शामिल हैं।

सुधारों की नई पहचान बना छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने निवेश को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए हैं। औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के माध्यम से उद्योगों को आकर्षक प्रोत्साहन दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ जन विश्वास अधिनियम का दूसरा संस्करण लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना, जिसके तहत 279 छोटे कारोबारी अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026 लागू कर जोखिम आधारित नियामकीय व्यवस्था लागू करने वाला भी छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बना है। इससे उद्योगों पर अनावश्यक नियामकीय बोझ कम हुआ है और निवेश प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक सरल एवं पारदर्शी बनी है।

एआई और डिजिटल अर्थव्यवस्था का नया केंद्र : नवा रायपुर में देश के पहले एआई डेटा सेंटर पार्क का निर्माण तेजी से चल रहा है। लगभग 1,000 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित हो रही इस परियोजना की क्षमता एक लाख ऋद्धव तक होगी। इसके साथ ही हाइपरनेक्स्ट के माध्यम से देश का पहला समर्पित डिजास्टर रिकवरी डेटा सेंटर भी छत्तीसगढ़ में स्थापित किया जा रहा है। इससे राज्य उभरती डिजिटल अर्थव्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उद्योगों का प्रमुख केंद्र बन रहा है।

संपादकीय

विपक्ष की एकता में दरार तो सामने आ गई है

राहुल गांधी व कांग्रेस विपक्षी एकता की बात तो बहुत करते हैं लेकिन जब विपक्षी एकता को मजबूत करने की बात आती है तो उनको राज्यों में अपना हित साधना ज्यादा जरूरी लगता है और जब संसद सत्र आता है तो वह चाहती है कि विपक्ष उसके कहने मात्र से मोदी सरकार के खिलाफ हो जाए और कांग्रेस जैसा चाहती है विपक्ष वैसा ही करे। विपक्ष ऐसा करता यदि कांग्रेस भी विपक्ष जैसा चाहता है वैसा राज्यों में करती। कांग्रेस राज्यों में विपक्ष जैसा चाहता है वैसा नहीं करती इसलिए विपक्ष भी कांग्रेस जैसा संसद सत्र में चाहता है, वैसा नहीं करना चाहता है। तमिलनाडु में जब विपक्षी एकता मजबूत करने का वक्त आया तो कांग्रेस ने द्रमुक का साथ छोड़ दिया और टीवीके के साथ चली गई। ऐसे मे उसे यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि द्रमुक व अन्य विपक्षी दल वैसा ही करें जैसा कांग्रेस चाहती है। विपक्षी दल सीजेपी के आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं तो कांग्रेस अपने राजनीतिक फायदे के लिए सीजेपी की आंदोलन का समर्थन नहीं कर रही है। विपक्षी दलों का वक्त पर समर्थन कांग्रेस नहीं कर रही है तो कांग्रेस का समर्थन संसद में विपक्षी दल सभी मुद्दों पर कैसे कर सकते हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को एक बयान में कहा है कि कांग्रेस संसद के आगामी सत्र में यदि सरकार डिलिमिटेशन बिल लाती है तो कांग्रेस उसका विरोध करेगी और इसके लिए विपक्षी एकता बनाए रखने का प्रयास करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी दलों में फूट डालकर कानून पास कराने के लिए जरूरी संख्या जुटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि 17 अप्रैल से गृह मंत्री ने एक या दो विपक्षी पार्टियों में फूट डलवाई है। यह संविधान का अपमान है। वे चालाकी से दो–तिहाई बहुमत हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी चालाक चालों और दूसरी पार्टियों को तोड़कर दो–तिहाई बहुमत हासिल करना संविधान का अपमान है। यानी कांग्रेस का मालूम है कि परिसीमन बिल व महिला आरक्षण बिल सरकार इस सत्र में फिर से ला सकती है और उसके लिए वह बहुमत जुटाने का प्रयास कर रही है। यह सच है कि पिछली बार इन बिलों को पास कराने संसद में पेश किया गया था और विपक्ष के विरोध के चलते यह बिल संसद में पारित नहीं हो सका था।

पं.बंगाल में टीएमसी की हार व तमिलनाडु में द्रमुक की हार,कांग्रेस के द्रमुक से अलग होने के बाद देश में राजनीतिक समीकरण बदल गए है। टीएमसी के 20 सांसद व उध्दव गुट के 7 सांसद एनडीए में शामिल होने के बाद एनडीए को ऐसा लगा है कि पिछली बार जो काम वह संसद में नहीं कर सकी थी,वह अब कर सकती है क्योंकि अब एनडीए सांसदों की संख्या लोकसभा में 293 से बढ़कर 319 हो गई है और उसे अब बहुमत के लिए मात्र 41 सांसदों की जरूरत है और इसे जुटाने का काम चल रहा है। और इसमें एनडीए को सफलता भी मिल रही है और विपक्षी एकता में दरार कैसे पड़ सकती है,यह भी साफ हो गया है। हाल में एकनाथ शिंदे से शरद पवार की मुलाकात के बाद माना जा रहा है कि एनडीए बहुमत जुटाने में सफल हो रहा है और शरद पवार की सुपुत्री सुप्रिया सुले के इस बयान के बाद कि सभी राज्यों में विधेयक में 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव आता है तो उनकी पार्टी विधेयक का समर्थन कर सकती है।यह साफ हो गया है कि एनडीए के बहुमत जुटाने का काम हो रहा है और वह सफल भी हो रहा है। यदि शरद पवार गुट के 8 सांसद आ जाते हैं तो संख्या 319 से बढ़कर 327 हो जाएगी। यानी इसके बाद बहुमत के लिए 33 सांसदों की जरूरत है।

द्रमुक के 20 सांसद है यदि भाजपा द्रमुक को अपने पाले में लाने में सफल हो जाती है उसके एनडीए के सांसदों की संख्या बढ़कर 374 हो जाती है। यानी अब उसे बहुमत के लिए 13 सांसदों की जरूरत रह जाती है इसके लिए भाजपा उनको समर्थन देने को कह सकती है या गैरहाजिर रहने को कह सकती है। दोनों ही स्थिति मे इस बार बहुमत का जुगाड़ भाजपा के लिए आसान तो लग रहा है, इसलिए वह बिल दोबारा इस सत्र में पेश करने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस नेता जयराम के बयान से लगता है कि उनको भी लग रहा है कि भाजपा इस बार संसद में परिसीमन बिल पास करा सकती है यही वजह है कि वह इसे संविधान से जोड़कर अभी से संविधान का अपमान बताने का प्रयास कर रहे हैं। सबको मालूम है कि कांग्रेस जब भी किसी मुद्दे पर हारती है तो खुद को संविधान का सम्मान करने वाला और भाजपा को संविधान का अपमान करने वाला बताने का प्रयास करती है। इससे साफ हो जाता है कि इस बार हमेशा की तरह कांग्रेस विपक्ष को परिसीमन बिल के विरोध मे एकजुट करने का प्रयास करेगी लेकिन वह पहले की तरह विपक्ष को एकजुट नहीं कर पाएगी। क्योंकि तमिलनाडु में जो कांग्रेस ने किया है और सीजेपी के मामले में कांग्रेस को जो रुख है। वह विपक्षी एकता को कमजोर करने वाला है तो एनसीपी शरद पवार गुट का बिल का समर्थन करना विपक्षी एकता में पड़ने वाली दरार को दिखाता है।

शरद पवार गुट के भाजपा का सशर्त साथ देने के बयान से यह तो साफ हो गया है कि पिछली बार जो दल परिसीमन बिल के खिलाफ थे वह इस बार सशर्त समर्थन दे सकते हैं। एक दल ने अपनी शर्त बता दी है और वह कोई ऐसी शर्त नहीं है कि एनडीए उसे मान नहीं सकती। क्योंकि अमित शाह ने तो पिछली बार ही मौखिक कहा था कि अगर विपक्षी दल बिल का समर्थन करते हैं तो वह राज्यों में पचास प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव ला सकते हैं। अगले कुछ दिनों में यदि द्रमुक सहित कुछ दल शर्त के साथ परिसीमन बिल का समर्थन करने को राजी हो जाते हैं जो काम यानी परिसीमन के साथ महिला आरक्षण का बिल इस सत्र में पारित कराया जा सकता है और ऐसा होता है तो यह कांग्रेस की बड़ी हार होगी क्योंकि कांग्रेस ने भाजपा की संसद में हार को अपनी बड़ी जीत बताया था। बडी जीत से खुश होने वाले राहुल गांधी को इस बार बड़ी हार का सामना करना पड़ सकता है और इसके लिए कोई और नहीं वह खुद दोषी है।क्योंकि विपक्षी एकता को कमजोर करने का काम उन्होंने ही किया है।

क्या शिक्षा सुधार की नई आवाज बनेंगे सोनम वांगचुक?

महेन्द्र तिवारी

सोनम वांगचुक का नाम भारत में केवल एक इंजीनियर, नवोन्मेषक या पर्यावरण कार्यकर्ता के रूप में नहीं जाना जाता, बल्कि ऐसे नागरिक के रूप में भी जाना जाता है जिसने शिक्षा, समाज और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर लगातार सक्रिय भूमिका निभाई है। वर्ष 2018 में उन्हें रमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। लद्दाख में शिक्षा सुधार के लिए उनके प्रयासों ने उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाई और फिल्म 3 इडियट्स का लोकप्रिय पात्र फुंसुख वांगडू भी काफी हद तक उनके व्यक्तित्व से प्रेरित माना जाता है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने लद्दाख के पर्यावरण, स्थानीय संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों से जुड़े कई शांतिपूर्ण आंदोलन किए। अब वे नई दिल्ली के जंतर मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के माध्यम से देश की शिक्षा व्यवस्था और प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना रहे हैं। 28 जून 2026 से आरंभ हुआ उनका अनशन अब 21वें दिन में पहुंच चुका है। लगातार केवल नमक और पानी के सहारे चल रहे इस अनशन के कारण उनका वजन लगभग 9 किलोग्राम कम हो चुका है और चिकित्सकों ने उनके स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। इसके बावजूद उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर गंभीर संवाद नहीं होता, तब तक वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

सोनम वांगचुक का यह आंदोलन किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का परिणाम नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे उन लाखों युवाओं की चिंता से जोड़कर देखा जा रहा है जो वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में देरी और भर्ती प्रक्रियाओं पर उठते प्रश्नों ने विद्यार्थियों के बीच असुरक्षा और निराशा का वातावरण बनाया है। वांगचुक का कहना है कि यदि शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली पर युवाओं का भरोसा कमजोर होगा तो देश का भविष्य भी प्रभावित होगा। उनका आग्रह है कि परीक्षा प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी हो, जवाबदेही सुनिश्चित की जाए और ऐसी संस्थागत व्यवस्था बनाई जाए जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उनका आंदोलन इन्हीं मुद्दों पर व्यापक जनचर्चा की मांग करता है।

अनशन के साथ–साथ उनका स्वास्थ्य लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। डॉक्टरों की टीम नियमित रूप से उनकी जांच कर रही है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक भोजन न लेने से शरीर की ऊर्जा तेजी से घटती है और कई अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता

है। इसी चिंता के कारण दिल्ली हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें सरकार से उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। अदालत ने केंद्र और दिल्ली सरकार से जवाब मांगा तथा नियमित चिकित्सकीय निगरानी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। न्यायालय की यह पहल इस तथ्य को रेखांकित करती है कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण किसी नागरिक के जीवन की रक्षा करना भी है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में भूख हड़ताल का इतिहास नया नहीं है। महात्मा गांधी ने इसे नैतिक शक्ति और आत्मबल का माध्यम बनाया था। स्वतंत्र भारत में भी अनेक सामाजिक आंदोलनों ने इस पद्धति का उपयोग किया है। अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से लेकर विभिन्न क्षेत्रीय आंदोलनों तक भूख हड़ताल ने समय समय पर सरकारों का ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि प्रत्येक आंदोलन की परिस्थितियां अलग होती हैं। किसी आंदोलन का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि अतीत में ऐसे आंदोलनों के क्या परिणाम रहे। प्रत्येक दौर की चुनौतियां भिन्न होती हैं और लोकतंत्र में नए प्रश्नों के लिए नए समाधान खोजने पड़ते हैं।

सोनम वांगचुक के आंदोलन को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। विपक्ष के कई नेताओं ने सरकार से संवाद की अपील की है। कुछ नेताओं ने उनसे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए अनशन समाप्त करने का आग्रह भी किया है। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि जंतर मंतर पहुंचकर उनसे मिले हैं। दूसरी ओर लेखकों, कलाकारों, फिल्मकारों और अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त करते हुए सरकार और वांगचुक दोनों से संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। उनका कहना है कि किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए यह उचित नहीं होगा कि एक सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता रहे और समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल न हो।

इस पूरे घटनाक्रम में मीडिया की भूमिका भी चर्चा का विषय बनी हुई है। कुछ लोगों का मानना है कि मुख्यधारा के मीडिया ने इस आंदोलन को अपेक्षित महत्व नहीं दिया, जबकि अन्य का कहना है कि समाचार पत्रों, टीवी चैनलों और डिजिटल मंचों पर इसकी पर्याप्त चर्चा हुई है। वस्तुतः लोकतंत्र में मीडिया की जिम्मेदारी केवल घटनाओं की सूचना देना नहीं बल्कि समाज के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर संतुलित विमर्श प्रस्तुत करना भी है। शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और युवाओं के भविष्य जैसे विषय किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ऐसे विषयों पर तथ्यपरक और संतुलित चर्चा ही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान होती है।

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। प्रत्येक वर्ष करोड़ों विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेते हैं। इनमें से अनेक विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और सीमित संसाधनों के बावजूद वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। यदि परीक्षा प्रणाली पर लगातार प्रश्न उठते हैं तो इसका सबसे अधिक प्रभाव इन्हीं युवाओं के मनोबल पर पड़ता है। परीक्षा रद्द होने, पेपर लीक होने या भर्ती में देरी जैसी घटनाएं केवल प्रशासनिक समस्याएं नहीं होतीं बल्कि वे युवाओं के विश्वास को भी प्रभावित करती हैं। इसीलिए अनेक विशेषज्ञ मानते हैं कि तकनीकी सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और संस्थागत जवाबदेही को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

वांगचुक के आंदोलन को लेकर मतभेद भी कम नहीं हैं। कुछ लोगों का कहना है कि यह आंदोलन सीमित दायरे में रहा और इसे व्यापक जनसमर्थन नहीं मिला। कुछ आलोचक इसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास भी करते हैं। वहीं समर्थकों का तर्क है कि किसी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ की संख्या से नहीं मापी जा सकती। इतिहास में अनेक ऐसे उदाहरण हैं जब छोटे समूहों द्वारा उठाए गए प्रश्नों ने आगे चलकर बड़े सामाजिक और नीतिगत परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि वह समर्थन और असहमति दोनों को सम्मानपूर्वक स्थान देता है।

इस संदर्भ में पर्यावरणविद जी डी अग्रवाल का उदाहरण भी कई बार सामने लाया जाता है। उन्होंने गंगा संरक्षण के लिए लंबा अनशन किया था और अंततः उनका निधन हो गया। उनके समर्थकों का मानना है कि उनकी कई महत्वपूर्ण मांगों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। इसलिए कुछ लोग आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि कहीं सोनम वांगचुक के मामले में भी ऐसी दुखद स्थिति उत्पन्न न हो। हालांकि प्रत्येक आंदोलन की परिस्थितियां अलग होती हैं और सरकार, न्यायपालिका तथा समाज की भूमिका भी समय के साथ बदलती रहती है। इसलिए ऐसी तुलना करते समय सावधानी आवश्यक है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। जब किसी सामाजिक कार्यकर्ता की मांगें लाखों युवाओं की चिंताओं से जुड़ने लगें, तब सरकार और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत का मार्ग खुला रहना चाहिए। संवाद से ही समाधान निकलते हैं और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास मजबूत होता है। दूसरी ओर आंदोलनकारियों के लिए भी यह आवश्यक है कि वे अपने संघर्ष को शांतिपूर्ण और संवैधानिक दायरे में बनाए रखें। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सोनम वांगचुक लगातार अहिंसक आंदोलन, लोकतांत्रिक संवाद और संस्थागत सुधार की बात करते रहे हैं। उन्होंने आगामी दिनों में संसद मार्च की भी घोषणा की है ताकि शिक्षा सुधार और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता का प्रश्न राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती से उठाया जा सके।

भारत की शिक्षा व्यवस्था में सुधार एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। इसमें केवल परीक्षा प्रणाली ही नहीं बल्कि शिक्षण पद्धति, मूल्यांकन प्रणाली, डिजिटल सुरक्षा, भर्ती प्रक्रियाएं, प्रशासनिक पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही जैसे अनेक आयाम शामिल हैं। किसी एक आंदोलन से इन सभी समस्याओं का समाधान संभव नहीं है, लेकिन ऐसे आंदोलन समाज और सरकार का ध्यान उन प्रश्नों की ओर अवश्य आकर्षित करते हैं जिन्हें लंबे समय तक अनदेखा किया जाता रहा हो। यदि इस अवसर का उपयोग व्यापक सुधारों के लिए किया जाए तो इसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिल सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि इस पूरे विषय को राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप तक सीमित न रखा जाए। छात्रों का भविष्य, शिक्षा की विश्वसनीयता और संस्थागत सुधार किसी एक दल या विचारधारा का विषय नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का प्रश्न है। सरकार, विपक्ष, शिक्षाविद, विशेषज्ञ, छात्र संगठन और नागरिक समाज यदि मिलकर शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और उत्तरदायी बनाने की दिशा में काम करें तो यह आंदोलन सकारात्मक परिवर्तन का आधार बन सकता है। लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह शांतिपूर्ण असहमति को सुनने की क्षमता रखे और जनभावनाओं को नीति निर्माण की प्रक्रिया से जोड़े।

सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य इस समय सबसे बड़ी चिंता है। किसी भी लोकतंत्र में किसी नागरिक का जीवन सर्वोपरि होता है। साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि जिन प्रश्नों को लेकर वे संघर्ष कर रहे हैं, उन पर गंभीरता से विचार किया जाए। लोकतंत्र केवल चुनावों से मजबूत नहीं होता बल्कि इस बात से भी मजबूत होता है कि वह अपने नागरिकों की आवाज, युवाओं की आकांक्षाओं और सुधार की मांगों का किस प्रकार उत्तर देता है। यदि इस आंदोलन के परिणामस्वरूप शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वास को मजबूत करने की दिशा में सार्थक संवाद प्रारंभ होता है, तो यह केवल एक भूख हड़ताल नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र और शिक्षा सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा।

आज का मॉनसून, कल का इतिहास नहीं — भविष्य का फैसला है

आरके जैन

प्रकृति चेतावनी देने के लिए शब्दों का सहारा नहीं लेती; वह अपने संकेत छोड़ती है—कभी प्यास से फटी धरती पर, कभी पहाड़ों से टूटते मलबे में, तो कभी एक रात की बारिश में ढह गए घरों की खामोशी में। 2026 का मॉनसून भी ऐसा ही एक मौन संदेश था, जिसे अनसुना करना आने वाले कल से आंखें मूंदना होगा। जून में सामान्य से लगभग 40 प्रतिशत से अधिक वर्षा की कमी ने खेतों की उम्मीदें सुखा दीं। एल नीनो के प्रभाव में किसान आसमान निहारते रहे, लेकिन बादल बेरुख रहे। फिर जुलाई ने अचानक करवट बदली। मुंबई, वायनाड, रत्नागिरी सहित कई क्षेत्रों में कुछ दिनों की मूसलाधार बारिश ने साबित कर दिया कि अब खतरा बारिश के कम या अधिक होने में नहीं, बल्कि उसके बेकाबू और असंतुलित स्वरूप में है। 2026 का मॉनसून इस सच्चाई की गवाही बन गया कि जलवायु परिवर्तन ने मौसम का मिजाज बदल दिया है।

यह बदलाव आकस्मिक नहीं, बल्कि विज्ञान की वर्षों पुरानी चेतावनी का साकार रूप है। वैज्ञानिकों के अनुसार, गर्म होती पृथ्वी का वातावरण पहले से अधिक नमी समेट रहा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी का बढ़ता तापमान इसे ऊर्जा दे रहा है। नतीजा यह है कि बादल अब ठहरकर नहीं, टूटकर बरसते हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, जुलाई के शुरुआती दिनों में मुंबई (सांताक्रुज स्टेशन) में 600–900 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई, जो जुलाई के पूरे महीने के औसत का बड़ा हिस्सा थी। दूसरी ओर, वायनाड में मौसमी वर्षा सामान्य से कम रही, लेकिन दो दिनों की मूसलाधार बारिश ने टनल निर्माण स्थल पर मिट्टी का पहाड़ ढहा दिया। इस हादसे में कई मजदूरों की जान गई, कुछ लापता रहे। यह महज हादसा नहीं, बल्कि बदलते जलवायु दौर की भयावह तस्वीर है, जहाँ कम वर्षा वाला मौसम भी विनाश की इबारत लिख सकता है।

2026 के मॉनसून ने केवल शहरों को नहीं, हमारी विकास–दृष्टि को भी कठघरे में खड़ा कर दिया। कंक्रीट के फैलते जंगलों ने पानी के प्राकृतिक रास्ते निगल लिए। नतीजा था—मुंबई के मानखुर्द में चॉल ढह गई, पालघर में बाढ़ दस से अधिक जिंदगियां बहा ले गई, पेड़ उखड़े, दीवारें गिरीं और शहर दिनों तक थम गए। यह तबाही सिर्फ आसमान से बरसे पानी की नहीं थी; जर्जर ड्रेनेज व्यवस्था, रिक्लेम्ड भूमि पर अनियोजित निर्माण और प्रकृति की कीमत पर खड़ा विकास भी इसके भागीदार थे। जलवायु विशेषज्ञ वर्षों से चेताते रहे हैं कि मध्य भारत में 1950 के बाद अत्यधिक वर्षा की घटनाएं लगभग तीन गुना बढ़ चुकी हैं। 2026 ने उस चेतावनी को आंकड़ों से उठाकर सड़कों, बस्तियों और ज़िंदगियों पर लिख दिया। अब बारिश मौसम नहीं, कुछ घंटों में पूरे महीने का संतुलन और शहरों की व्यवस्था बहा ले जाती है।

2026 के मॉनसून ने एक भ्रम तोड़ दिया—सूखा और बाढ़ अब विरोधी नहीं, बल्कि एक ही जलवायु संकट के दो रूप हैं। एल नीनो ने पहले बारिश रोकी, फिर गर्म वातावरण ने संचित नमी उलीच दी। सूखी धरती पानी सोख न सकी; वही जल मैदानों में बाढ़ और पहाड़ों में भूस्खलन बन गया। बदलता मौसम चेतावनी है कि अब खतरा वर्षा की मात्रा से अधिक उसकी तीव्रता और असंतुलन में है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, वैश्विक तापमान 1.5–2 डिग्री सेल्सियस बढ़ने पर कई क्षेत्रों में आर्द्र गर्मी गंभीर संकट बन सकती है। यानी आने वाले समय में चुनौती केवल सूखे और बाढ़ की नहीं; बारिश के बाद की दमघोंटू उमस जनस्वास्थ्य, श्रम क्षमता और अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ेगी।

2026 के मॉनसून ने एक नया शब्द सिखाया है—'वैरिएबिलिटी'। अब बारिश का आकलन उसकी कुल मात्रा से नहीं, बल्कि उसके समय, अवधि और तीव्रता से होगा। कई दिनों का सूखा और फिर एक–दो दिनों में पूरे महीने जितनी वर्षा—यही नया पैटर्न खेती, पर्यावरण और शहरों की सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। किसानों को कम अवधि वाली फसलें, जलवायु–अनुकूल बीज और सटीक मौसम पूर्वानुमान अपनाने होंगे। शहरों को 'स्पॉन्ज सिटी' मॉडल विकसित करना होगा, ताकि वर्षा जल सड़कों पर बहने के बजाय जमीन में समा सके। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां वैज्ञानिक आकलन और कठोर मानकों से संचालित हों; क्योंकि बदलते मौसम में यही विकास की सबसे विश्वसनीय बुनियाद है।

सबसे बड़ी भूल यह होगी कि जलवायु संकट का समाधान केवल राष्ट्रीय योजनाओं में खोजा जाए। 2026 का मॉनसून बताता है कि पिछले दो वर्षों की अच्छी वर्षा से अधिकांश जलाशय भरे होने के बावजूद स्थानीय स्तर पर भारी तबाही हुई। साफ है, बड़े बांध, घोषणाएं और राहत पैकेज तब तक पर्याप्त नहीं होंगे, जब तक हर शहर, गांव और पहाड़ी क्षेत्र अपनी भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप तैयार न हो। वेटलैंड्स का संरक्षण, वनों की अंधाधुंध कटाई पर रोक, नदियों और प्राकृतिक जलमार्गों का पुनर्जीवन तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट को विकास की आधारशिला बनाना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान का यथार्थ है—और इसकी सबसे बड़ी कीमत आने वाली पीढ़ियां नहीं, आज का समाज चुका रहा है।

हर आपदा केवल नुकसान नहीं छोड़ती, वह हमारी प्राथमिकताओं का भी परीक्षण करती है। 2026 का मॉनसून इसी कसौटी पर हमें परख गया। उसने स्पष्ट कर दिया कि प्रकृति की सीमाओं की अनदेखी कर किया गया विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। अब समय राहत और मुआवजे की घोषणाओं से आगे बढ़कर विकास की दिशा बदलने का है। इंफ्रास्ट्रक्चर को जलवायु–अनुकूल, नीतियों को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप और विकास को पर्यावरण का प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसका सहभागी बनाना होगा। चेतावनी स्पष्ट है, निर्णय हमारे हाथ में है। यदि इस संकेत को भी अनसुना किया गया, तो आने वाले मॉनसून केवल नई आपदाएं नहीं लाएंगे, बल्कि हमारी विकास–यात्रा की नींव को भी कठघरे में खड़ा कर देंगे। यही 2026 के मॉनसून की सबसे बड़ी सीख है और यही हमारे समय की सबसे बड़ी जिम्मेदारी।

भारतीय अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की ऊंची उड़ान

महेन्द्र तिवारी

भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में 18 जुलाई का दिन एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है जो देश की वैज्ञानिक और तकनीकी यात्रा की दिशा को हमेशा के लिए बदल देगा। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस का स्वदेशी रूप से विकसित विक्रम–1 रॉकेट अपनी पहली कक्षीय उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह केवल एक रॉकेट का प्रक्षेपण नहीं है बल्कि यह उस नए और आत्मनिर्भर भारत का उद्घोष है जहाँ निजी क्षेत्र अब अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों को नापने के लिए पूरी तरह से सक्षम हो चुका है। दशकों तक भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम पूर्ण रूप से सरकारी नियंत्रण और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के कुशल मार्गदर्शन में पलता और बढ़ता रहा है। इसरो ने सीमित संसाधनों के बावजूद दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है और मंगल ग्रह से लेकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक तिरंगा फहराया है। लेकिन अब समय बदल रहा है और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी अनिवार्य हो गई है। इसी आवश्यकता को समझते हुए भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का जो ऐतिहासिक निर्णय लिया था यह प्रक्षेपण उसी नीतिगत बदलाव का सबसे बड़ा और प्रत्यक्ष परिणाम है।

जब हम स्काईरूट एयरोस्पेस और उसके महत्वाकांक्षी रॉकेट विक्रम–1 की बात करते हैं तो हमें इसके पीछे के तकनीकी चमत्कार और वर्षों की अथक मेहनत को समझना होगा। इस रॉकेट का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है जो अपने आप में एक बहुत बड़ा प्रतीकात्मक संदेश है। विक्रम–1 कोई साधारण लॉन्च वाहन नहीं है बल्कि यह अत्याधुनिक तकनीकों का एक अद्भुत संगम है। इस रॉकेट की सबसे बड़ी विशेषता इसके निर्माण में थ्रीडी प्रिंटिंग तकनीक का व्यापक उपयोग है। इसके कई महत्वपूर्ण पुर्जे और विशेष रूप से इसका क्रायोजेनिक इंजन जिसे धवन नाम दिया गया है पूरी तरह से थ्रीडी प्रिंटेड है। पारंपरिक निर्माण विधियों की तुलना में थ्रीडी प्रिंटिंग से रॉकेट के पुर्जे बनाने में लगने वाला समय और लागत दोनों काफी कम हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त रॉकेट का बाहरी ढांचा कार्बन फाइबर कंपोजिट से बनाया गया है जो इसे बेहद हल्का लेकिन इस्पात से भी अधिक मजबूत बनाता है। एक हल्के ढांचे का सीधा अर्थ यह है कि रॉकेट अपने साथ अधिक पेलोड यानी अधिक वजन के उपग्रह ले जाने में सक्षम होगा। यह एक बहु चरण वाला रॉकेट है जिसे विशेष रूप से छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उप कक्षीय और कक्षीय उड़ानों के बीच एक बहुत बड़ा तकनीकी अंतर होता है जिसे समझना यहां बेहद प्रासंगिक है। नवंबर 2022 में स्काईरूट एयरोस्पेस ने ही अपना पहला रॉकेट विक्रम एस लॉन्च किया था जो एक उप कक्षीय उड़ान थी। उप कक्षीय उड़ान का अर्थ होता है कि रॉकेट अंतरिक्ष की सीमा को तो छूता है लेकिन वह पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए आवश्यक गति प्राप्त नहीं कर पाता और गुरुत्वाकर्षण के कारण वापस लौट आता है। इसके विपरीत अठारह जुलाई को होने वाला विक्रम–1 का प्रक्षेपण एक कक्षीय मिशन है। इसका मतलब है कि यह रॉकेट न केवल अंतरिक्ष में जाएगा बल्कि यह इतनी तेज गति प्राप्त करेगा कि यह पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हो सके और अपने साथ ले जाए गए उपग्रहों को सटीक रूप से उनकी निर्धारित जगह पर छोड़ सके। कक्षीय उड़ान तकनीकी रूप से बहुत अधिक जटिल चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरी होती है। इसमें रॉकेट के इंजनों को कई बार चालू और बंद करना पड़ता है और इसकी नेविगेशन प्रणाली को बिल्कुल अचूक होना पड़ता है। अगर स्काईरूट की टीम इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लेती है तो यह भारतीय निजी क्षेत्र की तकनीकी क्षमता का विश्व स्तर पर सबसे बड़ा प्रमाण होगा।

आर्थिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इस प्रक्षेपण के मायने बहुत गहरे और दूरगामी हैं। आज पूरी दुनिया में संचार मौसम पूर्वानुमान कृषि निगरानी और नेविगेशन के लिए छोटे उपग्रहों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। पारंपरिक रूप से बड़े रॉकेटों के जरिए इन उपग्रहों को लॉन्च करने में बहुत समय लगता है क्योंकि सरकारी एजेंसियों के पास अपने स्वयं के बड़े मिशन होते हैं और छोटे उपग्रहों को उन बड़े मिशनों के साथ सह यात्री के रूप में भेजा जाता है। इस प्रक्रिया में कई बार निजी कंपनियों और विश्वविद्यालयों को अपने उपग्रह लॉन्च करने के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। स्काईरूट जैसी कंपनियां इसी समस्या का समाधान लेकर आई हैं। विक्रम–1 जैसे रॉकेट ऑन डिमांड लॉन्च की सुविधा प्रदान करते हैं। इसका मतलब है कि जब भी किसी ग्राहक को अपना उपग्रह लॉन्च करना हो यह रॉकेट कुछ ही हफ्तों की तैयारी के साथ उड़ान भरने के लिए तैयार हो सकता है। यह लचीलापन और कम लागत भारतीय अंतरिक्ष उद्योग को वैश्विक कमर्शियल मार्केट में एक बहुत बड़ा प्रतिस्पर्धी लाभ प्रदान करेगा। वर्तमान में वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बहुत कम है लेकिन विक्रम–1 की सफलता इस हिस्सेदारी को कई गुना बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी और एलन मस्क की स्पेसएक्स जैसी दिग्गज अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को सीधे चुनौती देने की नींव रखेगी।

इस निजीकरण और तकनीकी विकास का एक और महत्वपूर्ण पहलू रोजगार सृजन और प्रतिभा पलायन को रोकना है। भारत में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग डीप टेक और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन अतीत में उचित अवसर और निजी क्षेत्र में निवेश न होने के कारण हमारी कई बेहतरीन प्रतिभाएं विदेशों का रुख कर लेती थीं। स्काईरूट एयरोस्पेस जैसी स्वदेशी कंपनियों का उदय इन युवा इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को अपने ही देश में विश्व स्तरीय परियोजनाओं पर काम करने का अवसर दे रहा है। इससे न केवल देश में एक मजबूत अंतरिक्ष इकोसिस्टम तैयार हो रहा है बल्कि सहायक उद्योगों को भी भारी बढ़ावा मिल रहा है। रॉकेट निर्माण के लिए आवश्यक कल पुर्जे सॉफ्टवेयर विकास परीक्षण सुविधाएं और ग्राउंड स्टेशन ऑपरेशंस जैसे क्षेत्रों में हजारों नए रोजगार पैदा हो रहे हैं। यह पूरी प्रक्रिया मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपनों को सही मायनों में साकार कर रही है। सरकार द्वारा स्थापित नोडल एजेंसी इन स्पेस का समर्थन और इसरो द्वारा प्रदान की जा रही तकनीकी और बुनियादी ढांचागत सहायता यह दर्शाती है कि भारत में अब सार्वजनिक और निजी क्षेत्र एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि एक दूसरे के पूरक बनकर काम कर रहे हैं।

विक्रम–1 की उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक सफलता तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे देश की उम्मीदों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। यह उड़ान उन तमाम छोटे और मझोले स्टार्टअप्स के लिए एक प्रेरणा है जो नवाचार के क्षेत्र में कुछ नया करने का सपना देखते हैं। जब एक निजी भारतीय कंपनी अपने दम पर एक कक्षीय रॉकेट बनाकर उसे अंतरिक्ष में भेज सकती है तो यह साबित होता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सही नीतिगत समर्थन के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। आने वाले वर्षों में हम अंतरिक्ष पर्यटन क्षुद्रग्रह खनन और गहरे अंतरिक्ष मिशनों में भी भारतीय निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी देखेंगे। विक्रम–1 उस लंबी यात्रा का केवल पहला कदम है। अठारह जुलाई को जब विक्रम–1 के इंजन आग उगलते हुए आसमान का सीना चीरेंगे तो वह केवल एक मशीन की उड़ान नहीं होगी बल्कि वह एक नए भारत के आत्मविश्वास की उड़ान होगी। एक ऐसा भारत जो अब केवल दूसरों के बनाए रास्तों पर चलने में विश्वास नहीं रखता बल्कि अंतरिक्ष के अनंत विस्तार में अपना खुद का रास्ता बनाने का साहस रखता है। यह प्रक्षेपण आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाएगा कि जब सपने बड़े होते हैं और हौसले बुलंद होते हैं तो आसमान की कोई सीमा नहीं होती और सितारे भी हमारी पहुंच में होते हैं।

"छत्तीसगढ़ विधानसभा लोकतंत्र की सबसे बड़ी पाठशाला" - शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

दुर्ग के स्कूली विद्यार्थियों ने की विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और उज्ज्वल भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान दुर्ग जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव से मुलाकात कर लोकतंत्र और विधानसभा की कार्यप्रणाली पर संवाद किया। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का सदन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी पाठशाला है। यहां आकर विद्यार्थी लोकतांत्रिक व्यवस्था को करीब से समझते हैं और संविधान के प्रति सम्मान के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा लेते हैं।

विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का किया समाधान

मंत्री ने बताया कि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पाऊवारा, कोड़िया, चंदखुरी सहित दुर्ग जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं विधानसभा पहुंचे थे। विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्यवाही देखी और लोकतांत्रिक व्यवस्था, जनप्रतिनिधियों की भूमिका एवं जनसेवा से जुड़े विषयों पर उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे। शिक्षा मंत्री ने उनकी जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया।

गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा को सिर्फ पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों को व्यवहारिक शिक्षा और संवैधानिक संस्थाओं से जोड़ने का प्रयास कर रही है। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में जागरूक, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनने की भावना मजबूत करते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासा और सीखने की उत्सुकता को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्हें विश्वास है कि विधानसभा का यह अनुभव विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और उज्ज्वल भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

खास खबर

दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र के स्कूली बच्चों ने देखी छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही, विधायक ललित चंद्राकर ने कहा-लोकतंत्र की पाठशाला से सीखेंगे बच्चे

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भिलाई

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के स्कूली विद्यार्थियों के लिए यह दिन ऐतिहासिक रहा। विधायक ललित चंद्राकर के विशेष प्रयासों से क्षेत्र के तीन प्रमुख विद्यालयों के छात्र-छात्राएं छत्तीसगढ़ विधानसभा की दैनिक कार्यवाही देखने रायपुर पहुंचे। विधानसभा दर्शक दीर्घा में उपस्थित होकर बच्चों ने सदन की कार्यवाही को करीब से देखा और लोकतंत्र की प्रक्रिया को समझा। इस अवसर पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय चंदखुरी, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कोडिया और शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पऊवारा के विद्यार्थी शामिल हुए।

विधायक ललित चंद्राकर ने बच्चों से भेंट कर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है। यहां जनता की आवाज गूंजती है। आज आप सभी ने सदन की कार्यवाही देखकर यह सीखा होगा कि कैसे हमारे जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं और विकास के मुद्दों पर चर्चा करते हैं।

आगे उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली की प्रत्यक्ष जानकारी मिले। इससे उनमें नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित होगी। आगे भी क्षेत्र के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को विधानसभा भ्रमण का अवसर दिलाया जाएगा। बच्चों ने विधानसभा की कार्यवाही देखकर खुशी जाहिर की और विधायक ललित चंद्राकर के प्रति आभार व्यक्त किया। शिक्षकों ने भी इस शैक्षणिक भ्रमण को बच्चों के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर दानेश्वरी सिन्हा व्याख्याता रेड क्रॉस प्रभारी सहयोगी व्याख्याता रीना पिलोदिया, व्याख्याता शीला बेलचंदन उपस्थित रहे।

सुपेला पुलिस की त्वरित कार्रवाई, धारदार हथियार लहराने वाला युवक गिरफ्तार

दुर्ग। सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाले युवक को थाना सुपेला पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से 9 इंच लंबा बटनदार स्टील का धारदार हथियार जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार 18 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि संजय नगर तालाब के पास एक युवक हथियार लहराकर आने-जाने वाले राहगीरों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पारस ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सुनील अक्षरी 23 निवासी शीतला तालाब के पास, सुपेला बताया। तलाशी में उसके पास से लगभग 9 इंच लंबा स्टील का बटनदार धारदार हथियार बरामद हुआ। अनुमानित कीमत 500 बताई गई है। आरोपी के विरुद्ध थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1117/2026 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने उसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया।

पुलिस टीम रही शामिल : इस कार्रवाई में उप निरीक्षक राजीव उवर्सा, आरक्षक आशीष साहू और प्रदीप सिंह की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर कोई भी व्यक्ति धारदार हथियार लेकर घूमता या कानून-व्यवस्था भंग करता दिखाई दे तो तुरंत नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दें। ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सूरजपुर पुलिस परिवार ने डीआईजी/एसपी प्रशांत कुमार ठाकुर को दी भावभीनी विदाई

नवपदस्थ एसपी योगेश कुमार पटेल का किया गया जोरदार स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर

डीआईजी-एसपी प्रशांत कुमार ठाकुर का स्थानांतरण पुलिस मुख्यालय रायपुर होने और नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के पदभार ग्रहण करने पर शुक्रवार को विश्रामपुर स्थित ऑफिसर्स क्लब में पुलिस परिवार एवं जिला प्रशासन द्वारा गरिमामय विदाई-सह-स्वागत समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में उपस्थित अधिकारियों ने प्रशांत कुमार ठाकुर के सफल, जनसेवामुखी और अनुकरणीय कार्यकाल की सराहना की। उन्हें पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं। वहीं योगेश कुमार पटेल का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

कानून-व्यवस्था और जनविश्वास का सेतु बने प्रशांत ठाकुर

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल ने कहा कि ठाकुर ने समर्पण, अनुशासन और दूरदर्शिता से न केवल कानून-व्यवस्था सुदृढ़ की, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु भी बनाया। उनका सहज और प्रेरणादायी व्यक्तित्व सभी के लिए आदर्श रहा।

कलेक्टर रेना जमील ने कहा कि प्रशासन-पुलिस के बेहतर समन्वय से जिले में कानून-व्यवस्था, जनकल्याण और विकास कार्यों को नई गति मिली। ठाकुर का कार्यकाल जिले के लिए प्रेरणादायी रहा।

नवपदस्थ एसपी योगेश कुमार पटेल ने कहा कि ठाकुर के नेतृत्व में सूरजपुर पुलिस ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। उनके द्वारा स्थापित उत्कृष्ट कार्यप्रणाली और जनसेवा की भावना को आगे भी जारी रखा जाएगा। सीईओ जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले और डीएफओ डी.पी. साहू ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन निरीक्षक जावेद मियाद ने किया।

सूरजपुर का स्नेह रहेगा अविस्मरणीय : ठाकुर

विदाई समारोह में प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि सूरजपुर में मिला स्नेह और सहयोग उनके लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि टीम भावना के बल पर अपराध नियंत्रण, सामुदायिक पुलिसिंग, साइबर अपराध रोकथाम और नशा मुक्ति अभियान जैसी जनहितकारी पहलों को सफलतापूर्वक संचालित किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रति आभार जताते हुए भविष्य में भी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में ठाकुर की धर्मपत्नी, पुत्र, एसडीएम शिवानी जायसवाल, चांदनी कंवर, ललिता भगत, अजय कोसाम, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, डीएसपी महालक्ष्मी कुलदीप, सभी एसडीओपी, थाना-चौकी प्रभारी और पुलिस कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

"एमसीयू के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. प्रदीप डहेरिया की पुस्तक का विमोचन"

प्रिंट रेडियो टेलीविजन डिजिटल इंटरनेट और सोशल मीडिया सहित जनसंचार के सभी माध्यमों के विविध आयामों पर अपने इस पुस्तक में विस्तार से प्रकाश डाला

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विश्वविद्यालय भोपाल के जनसंचार विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डा. प्रदीप डहेरिया की लिखी पुस्तक 'जनमाध्यम युवा और मीडिया साक्षरता' का विमोचन विश्वविद्यालय में चल रहे एआई एफडीपी के दौरान मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रिसर्च क्षेत्र के विशेषज्ञों ने किया।

इस पुस्तक का विमोचन विशेष तौर पर पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, आईआईआईटी भोपाल के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह, मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ बालेंदु शर्मा दाधीच, विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ प्रोफेसर संजय द्विवेदी, विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के प्रमुख प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव, पुस्तकालय अध्यक्ष एवं पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉक्टर आरती सारंग की उपस्थिति में हुआ।

पिछले लगभग डेढ़ दशक से अधिक समय से मीडिया अध्ययन और अध्यापन में सक्रिय डॉ. प्रदीप डहेरिया की यह पुस्तक जनसंचार माध्यमों और युवाओं पर विशेष रूप से केंद्रित है। आज जहां पूरे विश्व में मीडिया साक्षरता की बात चल रही है लेखक ने इस डिस्टर्ब में बताया है कि समाज और आम जनमानस में मीडिया साक्षरता क्यों आवश्यक है।

डॉक्टर डहेरिया ने प्रिंट रेडियो टेलीविजन डिजिटल इंटरनेट और सोशल मीडिया सहित जनसंचार के सभी माध्यमों के विविध आयामों पर अपने इस पुस्तक में विस्तार से प्रकाश डाला है। इस पुस्तक की भूमिका वरिष्ठ पत्रकार एवं चिंतक तथा विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी जी लिखी है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने इस पुस्तक के आने पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसी विद्यार्थियों और शोध के लिए उपयोगी बताया।

65 शोधार्थियों ने लिया हिस्सा, गुणवत्तापूर्ण शोध पर दिया गया जोर

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में "अनुसंधान उत्कृष्टता और साहित्य समीक्षा" पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / 00000

स्थानीय श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ फार्मेसी द्वारा विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ इकाई के तत्वावधान में "अनुसंधान उत्कृष्टता और साहित्य समीक्षा" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. स्मिता सेलेट ने की। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के 65 शोधार्थियों के साथ बड़ी संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया।

शोध ही समाज की समस्याओं का समाधान : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी कुलपति डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान समय में अनुसंधान केवल नई जानकारी जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज, उद्योग और शिक्षा की जटिल समस्याओं के समाधान का आधार भी है। गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए जरूरी है कि शोधकर्ता अपने विषय पर हुए पूर्ववर्ती अध्ययनों का गहन एवं वैज्ञानिक विश्लेषण करें। इसी उद्देश्य से व्यवस्थित साहित्य समीक्षा पर यह कार्यशाला आयोजित की गई है।

साहित्य समीक्षा वैज्ञानिक प्रक्रिया है : कुलसचिव डॉ. स्मिता सेलेट ने कहा कि व्यवस्थित साहित्य समीक्षा एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। इसके माध्यम से किसी विशिष्ट शोध प्रश्न से जुड़े शोध पत्रों, पुस्तकों, रिपोर्टों और अन्य विश्वसनीय स्रोतों का क्रमबद्ध संग्रह, चयन, मूल्यांकन और विश्लेषण किया जाता है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. साकेत जेसवानी ने अपने उद्बोधन में शोध प्रश्नों का निर्माण, साहित्य खोज की विधियां, डेटा निष्कर्षण, साक्ष्य संश्लेषण और वैज्ञानिक शोध पत्र लेखन पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यशाला के समापन पर प्राचार्य डॉ. गुंजन जेसवानी ने कहा कि व्यवस्थित साहित्य समीक्षा केवल साहित्य का संकलन नहीं है, बल्कि ज्ञान के वैज्ञानिक मूल्यांकन की सुव्यवस्थित प्रक्रिया है। यह अनुसंधान को अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी और प्रभावशाली बनाती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डायरेक्टर विकास डॉ. सुशील चंद्र तिवारी, डीन डॉ. वैभव तिवारी और विभागाध्यक्ष आशीष पांडेय ने भी शोधार्थियों को मार्गदर्शन दिया।

आयोजन प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी के नेतृत्व में भिलाई शहर के हजारों श्रद्धालुओं ने लिया महाभोग का आनंद

रथ यात्रा के दौरान एबीयूएस ने बांटा महाप्रसाद भोग, हजारों भक्त ग्रहण किया महाप्रसाद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अखिल भारतीय उड़िया समाज द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रथ यात्रा के अवसर पर महाप्रसाद भोग वितरण किया गया। प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी के नेतृत्व में 16 जुलाई को सिविक सेंटर चौक, भिलाई में भोग वितरण का आयोजन किया गया। समाज के महासचिव तरुण निहाल ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से सदस्य सिविक सेंटर चौक पहुंचे थे। वहां रथ का स्वागत कर भोग वितरण किया गया। इसके लिए समाज द्वारा बकायदा पंडाल लगाया गया था।

कार्यक्रम में लगभग 6-7 हजार भक्तजनों को महाप्रसाद वितरित किया गया। आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था भी की गई थी। भोग वितरण शाम 4 बजे शुरू हुआ जो देर रात तक चला। इस दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। महासचिव ने कहा कि एबीयूएस पिछले कई वर्षों से लगातार भोग वितरण कर रही है। आने वाले समय में इससे भी बेहतर व्यवस्था की जाएगी।

भोग वितरण में कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी, संरक्षक कृष्णा सोना, पुरन नायक, अजय कुमार लुहा, मोंटू हरपाल, विदुर तांडी, गोपाल सेठिया, अजय नायक, उमेश बाघ, सुमित सोना, ओम बाघ, प्रशांत सेठिया, राम भजन विभार, रीद्धि महानंद, सुभद्रा सेठिया, वर्षा चौहान, जगन्नाथ जाल, संगीता नायक, हस्तिनी महानंद, जयंती महानंद, मीना महानंद, हरिश नायक, शिव सागर, अनिल नायक, भुवनेश्वर महानंद, कैलाश बाग, अरुण साहू सहित समाज के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

उमेश बाघ भारतीय जनता युवा मोर्चा पूरब मंडल के महामंत्री नियुक्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) पूरब मंडल के नव-नियुक्त महामंत्री उमेश बाघ को इस नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। युवाओं में व्याप्त हर्ष का यह माहौल और संगठन के प्रति उनका यह संकल्प निश्चित रूप से क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार करेगा। संगठन को मजबूत बनाने और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में उनका यह कार्यकाल बेहद सफल और ऐतिहासिक हो। उमेश बाघ जी और पूरी टीम को उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई।

उनकी नियुक्ति से संगठन और युवाओं में हर्ष का माहौल है। श्री बाघ ने अपने नियुक्ति पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, मंडल अध्यक्ष रोहित साहू सहित पार्टी के बड़े नेताओं का आभार व्यक्त किया है।

दर्शकों पर जादू चलाने के लिए अभिनेत्री काजल अग्रवाल 'द इंडिया स्टोरी' के साथ तैयार

अभिनेत्री काजल अग्रवाल दर्शकों पर जादू चलाने के लिए तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' रिलीज होने के लिए तैयार है। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा कि वह लंबे समय से कोर्टरूम फिल्म करना चाहती थीं। फिल्म में आखिरकार ऐसा करने का मौका मिल ही गया। फिल्म में अभिनेत्री ने एडवोकेट अर्चना का रोल निभाया है। वह एक ऐसी वकील हैं जो एक आम नागरिक का साथ देती हैं। यह नागरिक उन ताकतवर कॉर्पोरेट कंपनियों के खिलाफ न्याय चाहता है जिन पर लोगों की जान खतरे में डालने का आरोप है। कोर्टरूम ड्रामा और इन्वेस्टिगेटिव कहानी के जरिए, यह फिल्म फूड सेफ्टी, कॉर्पोरेट जवाबदेही और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा शुरू करना चाहती है। उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के दौरान आईएनएस से ??बात की और बताया कि कैसे 'द इंडिया स्टोरी' ने कोर्टरूम ड्रामा का हिस्सा बनने की उनकी इच्छा पूरी की। उन्होंने कहा कि कोर्टरूम ड्रामा लंबे समय से मेरी पसंद रहा है। मैं अच्छे, दमदार और चुनौतीपूर्ण कोर्टरूम ड्रामा की तलाश में थी। इस फिल्म के जरिए मेरी यह इच्छा पूरी हुई। लेकिन, एक एक्टर के तौर पर मुझे लगता है कि मुझमें काफी बदलाव आया है। मेरी परफॉर्मेंस में ग्रोथ और मैच्योरिटी भी आई है। मुझे लगता है कि एक एक्टर के तौर पर मैं बड़ी हुई हूं और कुछ पल ऐसे थे, जो बहुत असली लगे, जिनके लिए मुझे एक्टिंग करने या खुद को उस स्थिति में इमेजिन करने की जरूरत नहीं पड़ी। मैं असल में उस पल को जी रही थी। आंसू, भावनाएं और इमोशनल संघर्ष भी असली थे। उन्होंने कहा कि निराशा, सफलता, नुकसान और दुख, सबकुछ बहुत असली लगा। एक्टर के तौर पर, मुझे लगता है कि यह बहुत चुनौतीपूर्ण है। जब आप यह भूल जाते हैं कि आप किसी चीज का हिस्सा हैं, तो आप बस 'होने' और किसी खास सीन में बस 'साथ-साथ रहने' के स्टेज पर पहुंच जाते हैं। और असल में होने या सच में मौजूद होने की कोशिश नहीं करते। 'द इंडिया स्टोरी' में अभिनेता श्रेयस तलपड़े भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म पेरिस्साइड के गलत इस्तेमाल, खाने में मिलावट और पब्लिक हेल्थ पर इनके असर के मुद्दों को दिखाती है। यह फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अंजना सुखानी ने बॉलीवुड के सफर का बताया अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ' 'मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। दुनियाभर के कलाकार उनके साथ काम करने का सपना देखते हैं और मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे यह मौका मिला। फिल्म की पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा, खासकर नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ के साथ। नसीर साहब के साथ काम करना किसी लाइव मास्टरक्लास जैसा अनुभव है। उन्हें देखकर ही अभिनय की बहुत सारी चीजें सीखी जा सकती हैं।'' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, ' 'मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। हालांकि, ट्रेलर लॉन्च और शूटिंग के दौरान कुछ मुलाकातें जरूर हुईं। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं।

आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, ' 'सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। टेक्नीशियन, लाइटिंग टीम, स्पॉट बॉय और प्रोडक्शन से जुड़े सभी लोगों को काम मिलता है। मेरी दर्शकों से अपील है कि वे फिल्मों को थिएटर में जाकर जरूर देखें।''

अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए अंजना ने कहा, ' 'यह मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं था। करियर शुरू होने के कुछ सालों बाद मुझे अमिताभ बच्चन के साथ विज्ञापन करने का मौका मिला और बाद में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'डिपार्टमेंट' में भी उनके साथ काम किया। अमिताभ बच्चन और इम्तियाज अली जैसे दिग्गजों के साथ काम करना बड़ी उपलब्धियों में शामिल है।''

हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर बोली अंजना

हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

कपिल शर्मा शो में स्क्रिप्टिंग को लेकर बोले कीकू शारदा

कॉमेडियन कीकू शारदा पिछले 10 साल से कपिल शर्मा के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो के क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा मौके पर बनाया जाता है। हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं बातचीत में कीकू ने कहा कि ये जानबूझकर गेस्ट्स से जोक्स और पंचलाइन छुपाते हैं, ताकि उनका रिएक्शन नैचुरल रहे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, क्योंकि तभी सबसे असली रिएक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस प्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिट तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूं तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।'

इंडियाज गॉट लेटेंट में आए थे नजर

बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैंस ने काफी पसंद किया।

प्रेग्नेंसी को लेकर सामंथा ने कही दिल की बात

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरु जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने दिसंबर 2025 में शादी की थी और जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। अब हाल ही में सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर दिल की बात कही है।

मां बनने को लेकर क्या बोलीं सामंथा?

इंटरव्यू में सामंथा ने कहा कि उनके लिए ये समय बिल्कुल नया और बहुत खास है। उन्होंने कहा, 'ये सब मेरे लिए नया और एक्साइटिंग है। लेकिन मैं इस पल का काफी समय से इंतजार कर रही थी। मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, और अब मैं इसमें अपना पूरा दिल लगा दूंगी।'

नई ताकत और नया एहसास

सामंथा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें अपने अंदर एक अलग तरह की ताकत और उद्देश्य महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से अपनी जिंदगी को लेकर पैशनेट रही हूं, लेकिन अब मुझे एक नई ताकत और मकसद महसूस होता है। मैं इस सफर को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और हर दिन कुछ नया सीख रही हूं।'

कुब्रा सैत ने शुरू किया स्टैंड-अप कॉमेडी का सफर

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है। जी हाँ, लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन, फाउंडेशन और कई अन्य फिल्मों व सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब ओपन बुक : नॉट क्वाइट अ मेमोयर की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है। कुब्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे।

सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया।

इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है। कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद कुब्रा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है।

बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था, सोचा नहीं था वेब सीरीज से डेब्यू करेगा

राजकुमार हिरानी हिंदी सिनेमा जगत में सबसे मंझे हुए, सबसे दिलचस्प और दमदार फिल्ममेकर्स में से हैं। बॉलीवुड को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स' और 'संजू' जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राजू हिरानी भी अब वक्त के साथ कदमताल कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी का रुख किया है और वेब सीरीज 'प्रीतम और पेड़ो' लेकर आए हैं। अरशद वारसी के साथ इस सीरीज में राजू के उनके बेटे वीर हिरानी ने भी एक्टिंग में कदम रखा है। हालांकि, राजू हिरानी दो टूक शब्दों में कहते हैं कि उन्होंने बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था।

वीर के एक्टिंग की ओर रुझान का वाकया याद करते हुए राजू हिरानी बताते हैं, 'मुझे जब पता चला कि वीर एक्टिंग करना चाहते हैं तो मैंने कहा कि मत करो। मुझे लगता था कि उसे फिल्म बनाना अच्छे से आता है। वो बचपन से शॉर्ट फिल्म बनाता था, तो मैंने कहा कि तुम अच्छी फिल्म बनाते हो, ये क्यों करना चाहते हो? इस पर उसने कहा कि आपने '3 इडियट्स' बनाई थी। उसमें कहा था कि 'जो दिल को अच्छा लगे वो करो', तब मैं फंस गया और मैंने कहा कि ठीक है तुम्हें करना है तो पहले एक्टिंग सीखो।'

हिरानी आगे बताते हैं कि बेटे वीर हिरानी ने उनकी बात पर अमल किया। तीन साल ड्रामा स्कूल में पढ़ाई की। फिर फिरोज खान के साथ नाटक किया, उसके बाद ही यह सीरीज की। अपने शो का 'प्रीतम' घर में ही मिलने की बात पर डायरेक्टर ने कहा, 'प्रीतम घर में ही थे, मगर हमें नजर नहीं आ रहे थे। हम ये सीरीज बना रहे थे, मगर वीर दिमाग में नहीं थे। कास्टिंग चल रही थी तो वीर ने मेरे ऑफिस में जो साहिल हैं, उनको बोला कि मैं यहां बैठा हूं, मेरी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। मेरे दिमाग में था कि वो फिल्म करना चाहता है। फिल्मों के लिए उसकी बातचीत भी चल रही थी। मैं भी कोई स्क्रिप्ट ढूंढ़ रहा था। मुझे नहीं लगा था कि वो वेब सीरीज करेगा पर उसने कहा कि मुझे कोई हिचक नहीं है।

कॉमेडी में हद पता होनी चाहिए

राजू हिरानी की फिल्मों में ह्यूमर की एक खास जगह रही है। साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करती 'प्रीतम एंड पेड़ो' भी इसी कड़ी में शामिल है। लेकिन आज कॉमेडी को लेकर काफी आपत्तियां सामने आ रही हैं। बकौल राजू हिरानी, 'कॉमेडी कई तरह की होती है। दूसरे के दुर्भाग्य पर हंसना भी एक तरह की कॉमेडी है, लेकिन आपको एक हद पता होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि ऐसा करके आप किसी को बहुत ज्यादा ठेस पहुंचा रहे हैं तो आप क्यों कर रहे हैं? मत करो न, क्योंकि आप स्वार्थी होकर किसी का फायदा उठा रहे हैं। अगर आप अपने फायदे के लिए किसी का बहुत ज्यादा मजाक उड़ाओगे तो उसे ठेस पहुंचेगी ही। मेरा मानना है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए भी कॉमेडी कर सकते हैं।'

बच्चे को एक्टिंग का जुनून है तो उसे क्यों रोकें?

बीते कुछ साल में इंडस्ट्री के बच्चों को उनके घर से ही लॉन्च किए जाने पर काफी सवाल खड़े हुए हैं। क्या वीर को लॉन्च करते वक्त राजू हिरानी के दिमाग में यह ख्याल आया था? वह जवाब देते हैं, 'ख्याल तो आता है, लेकिन अगर बच्चा एक्टिंग करना चाहे, वह उसका जुनून है तो उसको क्यों रोके? इसलिए, मैंने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी। अब जैसे मैं था। मेरे पिता जी कुछ और करते थे। मैं नागपुर में एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में जन्मा। मेरे पिता जी ऑफिस इक्विपमेंट बेचते थे, पर मेरा फिल्मों में आने का मन था तो मैंने यह किया। जैसे, मेरे फादर ने मुझे कहा कि तुम्हारा यह करने का मन है तो जाओ भाई करो। वैसे ही मैंने भी वीर को कहा।'

रक्षित केन्द्र बेमेतरा का औचक निरीक्षण करने पहुंचे जिले के नए एसपी त्रिलोक बंसल

शस्त्र, वाहन और अनुशासन व्यवस्था का लिया जायजा, आर्म्स शाखा में सभी शस्त्रों के नियमित रख-रखाव और समय पर मरम्मत सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले के पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने शुक्रवार को रक्षित केन्द्र (पुलिस लाइन) बेमेतरा का औचक निरीक्षण कर विभिन्न शाखाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शस्त्रों के रख-रखाव, शासकीय वाहनों की स्थिति, साफ-सफाई, अनुशासन तथा पुलिस बल की तत्परता पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसपी ने शस्त्रागार शाखा, आर्म्स शाखा, वाहन शाखा, रीडर शाखा, रोजनामचा कक्ष, क्वार्टर गार्ड, जिम, कैंटीन, डॉग स्क्वॉड, टेंट स्टॉक, एमटी सेट, पुस्तकालय, नव आरक्षक बैरक एवं ऑफिसर मैस सहित रक्षित केन्द्र की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आर्म्स शाखा में सभी शस्त्रों के नियमित रख-रखाव एवं समय पर मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वाहन शाखा के निरीक्षण के दौरान एसपी ने शासकीय वाहनों की वर्तमान स्थिति का अवलोकन कर उनके बेहतर रख-रखाव और आवश्यक सुधार के लिए वाहन शाखा प्रभारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस संसाधनों का समुचित रख-रखाव बेहतर पुलिसिंग के लिए आवश्यक है।

डॉग स्क्वॉड का निरीक्षण करते हुए एसपी श्री त्रिलोक बंसल ने डॉग मास्टर को पुलिस श्वानों के खानपान, नियमित प्रशिक्षण और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए। साथ ही रक्षित केन्द्र परिसर और परेड ग्राउंड को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने पर भी जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को अनुशासन बनाए रखने तथा किसी भी आकस्मिक ड्यूटी के लिए सदैव तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थानों और चौकियों में आने वाले पीड़ितों की शिकायतों पर संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता में पुलिस की सकारात्मक छवि और विश्वास कायम रहे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि "अनुशासन ही पुलिस व्यवस्था की बुनियाद है और किसी भी स्तर की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।"

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा श्री भूषण एक्का, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, निरीक्षक चन्द्रदेव वर्मा, अजय सोनकर, जनक साहू, सहायक उप निरीक्षक राममिलन सिंह, बहादुर सिंह, माधव सिंह साहू, प्रधान आरक्षक खूबचंद बघेल, खिलेंद्र साहू, अनुपम शर्मा, राजेश राजपूत, सुरेश भारतेंदु, रामेश्वर मंडले सहित रक्षित केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खास खबर

सेवा सेतु पोर्टल से तुरंत मिला विवाह प्रमाण पत्र, नवविवाहिता ने जताया शासन और प्रशासन के प्रति आभार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुलभ, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु पोर्टल आमजन के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। इसी कड़ी में नगर पंचायत देवकर की निवासी सुश्री रेनु मंडावी को विवाह के तुरंत बाद सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से समयबद्ध तरीके से विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

नगर पंचायत देवकर के वार्ड क्रमांक-02 रानी दुर्गावती वार्ड निवासी एवं रमेश मंडावी की पुत्री रेनु मंडावी ने बताया कि विवाह उपरांत उन्हें विभिन्न शासकीय एवं व्यक्तिगत कार्यों के लिए विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। इसके लिए उन्होंने नगर पंचायत देवकर कार्यालय में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया। आवेदन करने के बाद उन्हें बिना किसी अनावश्यक विलंब के शीघ्र ही विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। रेनु मंडावी ने बताया कि विवाह प्रमाण पत्र मिलने से अब वे आधार कार्ड, बैंक खाते में पति का नाम दर्ज कराने, मतदाता सूची में नाम जोड़ने, राशन कार्ड बनवाने सहित अन्य आवश्यक शासकीय कार्य आसानी से करा सकेंगी। उन्होंने कहा कि पहले इस प्रकार के प्रमाण पत्र प्राप्त करने में अधिक समय लगने की आशंका रहती थी, लेकिन सेवा सेतु पोर्टल ने पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और त्वरित बना दिया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु पोर्टल जैसी जनहितकारी पहल से आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। इसके लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन बेमेतरा, नगर पंचायत देवकर तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं घर के नजदीक, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो रही हैं। इससे लोगों का समय और अनावश्यक भागदौड़ दोनों बच रहे हैं तथा शासन की सुशासन की अवधारणा को मजबूती मिल रही है।

कलेक्टर के आकस्मिक निरीक्षण में एक शिक्षक निलंबित, कई शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस

शिक्षण कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की गैर-शैक्षणिक कार्य नहीं किया जाएगा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती प्रेमलता पदमाकर द्वारा विकासखंड नवागढ़ अंतर्गत विभिन्न शालाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शिक्षण व्यवस्था, विद्यालयों की साफ-सफाई एवं शिक्षकों की उपस्थिति का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान शासकीय प्राथमिक शाला खैरी में पदस्थ सुरेन्द्र कुमार बारले, सहायक शिक्षक (एल.बी.) बिना किसी पूर्व सूचना के अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। इसे शासकीय कर्तव्यों के प्रति उदासीनता एवं स्वेच्छाचारिता मानते हुए तथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 के उपनियम (1), (2) एवं (3) का उल्लंघन पाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बेरला निर्धारित किया गया है।

इसी क्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, नवागढ़ का भी निरीक्षण किया गया। विद्यालय परिसर में गंदगी एवं अव्यवस्था पाए जाने पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। इस संबंध में विद्यालय की अधीक्षिका श्रीमती चन्द्रप्रभा बंजारे को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इसके अलावा शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला नांदल के निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि शिक्षण कार्य के समय कुछ शिक्षक पुस्तकों की स्कैनिंग में लगे हुए थे, जबकि तीन शिक्षक अवकाश पर होने के कारण विद्यालय में अध्यापन कार्य प्रभावित हो रहा था।

इस संबंध में सुमेन्त खरे, शिक्षक, तुलाराम हीरवानी, शिक्षक, जग्गु राम चन्द्राकर, शिक्षक, श्रीमती अनिता भानु, शिक्षक (शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नांदल), विजय प्रताप सिंह भारद्वाज, 'सहायक शिक्षक (एल.बी.), शासकीय प्राथमिक शाला नांदल तथा शिवकुमार ध्रुव, प्रधान पाठक, शासकीय प्राथमिक शाला नांदल को अध्यापन कार्य छोड़कर पुस्तक स्कैनिंग करते पाए जाने पर कारण बताओ सूचना जारी की गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी, बेमेतरा द्वारा जिले के समस्त संस्था प्रमुखों एवं शिक्षकों को निर्देश जारी किए गए हैं कि शिक्षण कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की पुस्तक स्कैनिंग अथवा अन्य गैर-शैक्षणिक कार्य नहीं किया जाएगा। पुस्तक स्कैनिंग का कार्य केवल अध्यापन कार्य पूर्ण होने के बाद ही किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई किसी भी स्थिति में प्रभावित न हो। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अध्यापन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षण अवधि के दौरान किसी भी स्थिति में शिक्षकों द्वारा पुस्तक स्कैनिंग अथवा अन्य कार्य नहीं किया जाएगा। साथ ही शिक्षकों का अवकाश भी तभी स्वीकृत किया जाए, जब उससे विद्यालय में शिक्षण व्यवस्था प्रभावित न हो।

राजनांदगांव में उल्टी-दस्त और वायरल फीवर के मरीज बढ़े, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में लगातार बारिश और मौसम में बदलाव के कारण उल्टी-दस्त तथा वायरल फीवर के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी शुरू कर दी गई है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, डोंगरगांव क्षेत्र के भट्ट टोला में उल्टी-दस्त के कई मरीज मिलने के बाद विभाग ने स्थिति को गंभीरता से लिया है। प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य टीमों को सक्रिय कर दिया गया है और लोगों के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है। विभाग ने उन इलाकों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं, जहां बारिश के कारण पानी जमा हो रहा है। जलभराव वाले क्षेत्रों में निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय किया जा रहा है, ताकि संक्रमण फैलने की आशंका को कम किया जा सके।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से साफ-सफाई बनाए रखने, उबला या स्वच्छ पानी पीने तथा खुले में रखे खाद्य पदार्थों का सेवन न करने की अपील की है। साथ ही बुखार, उल्टी या दस्त जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की सलाह दी गई है। विभाग का कहना है कि मानसून के दौरान जलजनित और वायरल बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए नागरिकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। फिलहाल जिले में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी बनाए हुए है।

सड़क दुर्घटना में जी. शंकर राव का निधन

रायपुर। चंद्रा नगर, शांति नगर निवासी जी. शंकर राव, 64 वर्ष का कल रात्रि एक सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया। परिवारजनों ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्व. जी. शंकर राव अपने मिलनसार स्वभाव और सामाजिक व्यवहार के लिए क्षेत्र में जाने जाते थे। वे जी. संदीप कुमार उर्फ सैंडी के पूज्य पिताश्री थे।

अंतिम यात्रा का कार्यक्रम: स्व. जी. शंकर राव की अंतिम यात्रा आज 19 जुलाई 2026, शनिवार को सायं 3:30 बजे उनके निवास H. No. 1403, Street No. 26, चंद्रा नगर, शांति नगर से प्रस्थान करेगी। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस दुःखद समाचार से क्षेत्र में शोक की लहर है। परिजनों, मित्रों और परिचितों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

अंदर की बात

-:: खुलकर: :-

यशवंत साहू, फाउंडर भिलाई टाइम्स

अजय तो अजय है, छत्तीसगढ़ियावाद की हवा, जोगी की नो एंट्री और पुलिस अफसर का शाही बंगला

राजनीति में अजय चंद्राकर का कोई विकल्प नहीं...

कुरुद के विधायक, पूर्व मंत्री और फायर ब्रांड नेता अजय चंद्राकर का कोई विकल्प नहीं है। जब वो बोलना शुरू करते हैं तो सामने वाले का पसीना निकाल देते हैं। चाहे खुद की पार्टी के मंत्री हो, अधिकारी हो या विपक्ष के विधायक हो। इसलिए देख समझकर लोग उनसे उलझते हैं। किताबें खूब पढ़ने वाले अजय चंद्राकर के पास फैक्ट होते हैं। पूरी तैयारी के साथ सदन पहुंचते हैं। किसी के खिलाफ बोल दे तो जहर खाए जैसा लगता है। स्वतंत्र पत्रकार देवेंद्र गुप्ता अजय चंद्राकर के लिए लिखते हैं- "सरकार को खुश करने के लिए चुप रहना आसान है, लेकिन अपनी ही सरकार से कठिन सवाल पूछना आसान नहीं। छत्तीसगढ़ विधानसभा में जब अजय चंद्राकर बोलते हैं, तो सत्ता पक्ष भी ध्यान से सुनता है और विपक्ष भी। कई ऐसे मुद्दे, जिन्हें विपक्ष पूरी मजबूती से नहीं उठा पाता, उन्हें वे तथ्यों और तैयारी के साथ सदन में रखते हैं। मंत्रियों से जवाब भी मांगते हैं और सरकार को आईना भी दिखाते हैं। लेकिन उनकी राजनीति का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब विपक्ष तथ्यों से भटककर केवल राजनीति करता है, तो वही अजय चंद्राकर सरकार के सबसे मजबूत पक्षकार बनकर खड़े हो जाते हैं। यही एक परिपक्व जनप्रतिनिधि की पहचान है। अपनों की गलती पर सबसे पहले सवाल उठाना और बाहरी आरोपों के सामने तथ्यों के साथ अपनी सरकार का पक्ष रखना।

छत्तीसगढ़ियावाद की हवा अब तेज बहेगी...

प्रदेश में छत्तीसगढ़ियां स्वाभिमान के प्रति लोगों को जगाने पूर्व सांसद स्व. ताराचंद साहू ने खूब मेहनत की। उन्होंने खूब कोशिश की। लेकिन वैसी टीम उन्हें नहीं मिली। वो अकेले पड़ गए। अब ताराचंद साहू के रास्ते पर छत्तीसगढ़ियां अस्मिता और स्वाभिमान का झंडा लेकर निकल पड़े हैं जोहार छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल। साढ़े आठ महीने बाद जेल से वापस आ रहे हैं। उनकी वापसी से अन्य प्रांत से आने वाले नेताओं के चेहरे पर सिकन आ गई है। उनकी चिंता बढ़ गई है। ये बात सच है कि छत्तीसगढ़ियावाद की हवा अब तेजी से बहेगी। अमित बघेल, डॉ. अजय यादव के जेल जाने से क्रांति सेना के प्रति लोगों की सिंपैथी बढ़ी है। यानी कि आने वाले समय में प्रदेश की राजनीति और भी दिलचस्प हो जाएगी।

अमित जोगी की कांग्रेस में नो एंट्री...

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के नेता पूर्व विधायक अमित जोगी चाहते हैं कि उनकी पार्टी का विलय कांग्रेस में हो जाए। लेकिन ऐसा होने नहीं दे रहे कांग्रेस के नेता। उसके पीछे बहुत सारी वजह है। ये बात अलग है कि अमित जोगी बार-बार ये दावा कर रहे हैं कि कांग्रेस के नेताओं से उनकी बात हो गई है। सहमति मिल गई है। भूपेश बघेल के रहते अमित जोगी की जोगी कांग्रेस को कांग्रेस में विलय संभव नहीं है। कांग्रेसियों को लगता है कि अमित जोगी की वजह से उनके वोट कट जाते हैं। साथ ही विवादों से नाता रखने वाले अमित जोगी से पॉजिटिव वाइब भी नहीं आती। ऐसा नेता मानते हैं। इसलिए अमित जोगी या उनके पार्टी के लोगों का कांग्रेस में विलय संभव ही नहीं, असंभव भी दिख रहा है।

रायपुर में पुलिस अफसर का शाही बंगला...

इन दिनों पुलिस विभाग में राज्य पुलिस सेवा के अफसर खूब चर्चा में हैं। वो इसलिए कि उन्होंने घर नहीं, शाही बंगला बनाया है। इस शाही बंगला को आप भी देखेंगे तो दांतों तले उंगली चबा लेंगे। एएसपी रैंक के इस अफसर के गृह प्रवेश में कई आईपीएस भी गए थे। साथ में कई अफसरों की धर्मपत्नी भी पहुंची थीं। उन्होंने ताने मार दिए कि "देख रहे हो, आप आईपीएस हैं। 20-25 साल की सर्विस हो गई। उसके बावजूद सरकारी बंगला को छोड़ हमारे पास क्या है ?..." ये बात सच है कि आज भी कई आईपीएस अफसरों के पास खुद का घर तक नहीं है। जो है वो पुराने घर। अब आपको थोड़ा हिंट देते हुए लोकेशन बता देते हैं कि ये साहब अपना शाही बंगला कहां बनाया है। पुराने टिकरापारा थाना के अंतर्गत ये करोड़ों का बंगला रेडी हुआ है। पास में उनके ही डिपार्टमेंट के सहयोगी का भी बंगला है। इसीलिए उन्होंने टेनिस लॉन कोर्ट भी बनवा लिया है। समझ रहे हैं न तरक्की कैसे होती है ?

ऊर्जावान हैं डिप्टी सीएम विजय शर्मा...

अपनी रूटीन जिंदगी से थक गए हैं तो एक बार चले जाइए कवर्धा भोरमदेव के इको ट्रेल पर। ट्रैकिंग पर जब निकलेंगे तो अलग ही दुनिया मिलेगी। आप कान्हा भूल जाएंगे। एक अलग ही सुकून है। इसकी शुरुआत छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम-गृहमंत्री विजय शर्मा ने किया। तकरीबन 6 किमी तक की ट्रैकिंग हुई। विजय शर्मा ने अपनी ट्रैकिंग पूरी की। हाथ में लाठी लेकर पहाड़ चढ़ते गए। उनके साथ चलने वाले पार्टी के कार्यकर्ता व कुछ अफसर हांफने लगे। लेकिन 90 किलो के विजय शर्मा स्पीड से पहाड़ पर चढ़ते दिखे और फोटो भी क्लिक की। इस खूबसूरत ट्रैकिंग को खूबसूरत बनाने वालों में आईएफएस निखिल अग्रवाल को जाता है। कवर्धा के डीएफओ हैं। बेहद शांत और क्रिएटिव के लिए जाने जाते हैं। डिप्टी सीएम विजय शर्मा चाहते हैं कि कवर्धा भोरमदेव जंगल बहुत खूबसूरत है। इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आए।

हे राम, कब तक बिना विभाग के रहेंगे वरिष्ठ आईपीएस...

पुलिस डिपार्टमेंट में दो और तबादला सूची आने वाली है। एक वो सूची, जिसमें वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी होंगे। दूसरी सूची राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों की। इसमें डीएसपी, एएसपी स्तर के अफसर होंगे। कहा जा रहा है कि 50 से ज्यादा अधिकारियों के नाम की सूची तैयार है। लोगों को इंतजार है पहली सूची का। जो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नाम पर बनी है। इस सूची में वो वरिष्ठ आईपीएस हैं, जिनके पास भाजपा सरकार बनने के बाद से कोई विभाग नहीं है। पीएचक्यू में बिना किसी विभाग के ही ड्यूटी पूरी कर रहे हैं। उनकी वापसी होगी या नहीं ये तो वक्त बताएगा। लेकिन सत्ता के गलियारे से ये खबर आ रही है कि दो-तीन ऐसे वरिष्ठ आईपीएस हैं, जिन्हें बिना किसी विभाग के ही रखा जाएगा। यानी कि इस सूची में उनका भी नाम नहीं है। 2023 के बाद से उनके पास कोई काम नहीं है। केंद्र भी नहीं चाहता कि उनके पास कोई बड़ा विभाग हो। ऊपर से भी आदेश आ गया है कि उन्हें किसी प्रकार से रियायत नहीं दी जाए।

सरकारी अफसर दामाद की पोस्टिंग...

रायपुर के एक पुलिस अधिकारी हैं। जिनका तबादला डॉ. रमन सिंह के क्षेत्र में भी हुआ, बट साहब ने पोस्टिंग नहीं ली। अभी भी रायपुर जिले में ही बने हुए हैं। ये अफसर एक राजनेता के रिश्तेदार हैं। जिसका फायदा भी लेना चाहते हैं। नेताजी चाहते हैं कि उनकी पोस्टिंग रायपुर में ही हो जाए। ट्रांसफर ऑर्डर आने ही वाला है। उससे पहले हर संभव कोशिश जारी है। साथ ही एक दागदार सिपाही भी उनके साथ कनेक्ट हैं। पुलिस डिपार्टमेंट में उनकी गाड़ी भी चलती है। इसलिए वरिष्ठ अधिकारियों से संरक्षण प्राप्त है। अब देखना है कि इस सूची में दामाद बाबू को स्थान मिलता है कि नहीं... ?

राजनीति में आए बिना ही सेवा-सत्कार...

भिलाई की मिट् ?टी में ही सेवा है। जिनके अंदर इच्छाशक्ति होती है, उन्हें सेवा करने के लिए पद और कुर्सी की आवश्यकता नहीं होती। कुछ ऐसे हैं, समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू...पेशे से ट्रांसपोर्टर हैं, लेकिन सबको साथ लेकर चलते हैं। गरीब परिवार के बच्चों की शिक्षा हो या स्वास्थ्य हो, सबकी चिंता करते हैं। 20 जुलाई को जन्मदिन है। उनके जन्मदिन को लेकर शहर होर्डिंग्स से अटा पड़ा है। होर्डिंग्स को देखकर कोई भी कहेगा कि इंद्रजीत सिंह छोटू चुनाव लड़ने वाले हैं। लेकिन हर बार वो यही कहते हैं कि, समाज में सेवा करने और लोगों की मदद करने के लिए राजनीति की कुर्सी और पद जरूरी नहीं है। उनकी इस सक्रियता से कई लोगों की चिंता बढ़ गई है। वो चाहे भाजपा हो या कांग्रेस...।

बड़े दिलवाले शिक्षा मंत्री को दिखानी होगी दरियादिली...

साय सरकार के मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को बड़े दिलवाले के रूप में लोग जानते हैं। इस बड़े दिल वाले मंत्री को अपनी दरियादिली दिखाने का वक्त आ गया है। ये दरियादिली उन्हें डीएड अभ्यर्थियों के लिए दिखानी होगी। क्योंकि, बीते 7 महीने से नवा रायपुर के तुता धरनास्थल पर प्रदर्शन कर रहे डीएड अभ्यर्थियों की कोई नहीं सुन रहा है। हालांकि, उनकी इस नियुक्ति का मैटर सीएम विष्णुदेव साय ही सॉल्व कर सकते हैं। डीएड अभ्यर्थी बड़ी उम्मीद से शिक्षा मंत्री की ओर नजरें जमाए हुए हैं। वैसे ही विद्या मिताम शिक्षकों का भला करके शिक्षा मंत्री गजेंद्र को दिल जीतना होगा। विद्यामिताम शिक्षक भी धरने पर बैठे हुए हैं। ढाई साल का वक्त हो चुका है। अब बचे हुए ढाई सालों में सरकारी कमियों में बढ़ते हुए असंतोष को कम नहीं किया गया तो ये सरकार के लिए मुसीबत बन सकती है।

जाते-जाते निगम कमिश्नर ने हिसाब चुकता कर दिया...

नगर निगम भिलाई के कमिश्नर रहें राजीव पांडेय खूब विवादों में रहें। जाते-जाते भी विवाद के साथ जांच मटेरियल छोड़ दिए। दरअसल, राजीव पांडेय का जिस दिन तबादला आदेश जारी हुआ, ठीक अगले ही दिन एकाउंट से जुड़े अफसरों को बंगला बुलाकर ठेकेदारों की सूची मंगवाई। वो इसलिए कि हैवी एमाउंट का चेक जो काटना था। रिलीव से पहले ठेकेदारों की लंबी लाइन लगी थी। सबका हिसाब चुकता हुआ है। ठेकेदारों ने बकायदा मिठाई तक दी है। ऐसी चर्चा है। अब इस मिठाई के डिब्बे में सिर्फ मिठाई ही थी या कुछ और...ये तो पांडेय जी और ठेकेदार ही जानते होंगे। लेकिन नई कमिश्नर सुरुचि सिंह तक बात पहुंच गई है। क्योंकि, मैडम के पास मिठाई का डिब्बा नहीं चलता। आईएएस अधिकारी हैं। इन चीजों से काफी दूर रहती है। ऐसे लोगों को फटकने तक नहीं देती। यानी कि अब भिलाई निगम में अब काम और नाम दोनों दिखेगा।

गुण्डिचा मंडप,में बिखरी भक्ति की अनूठी छटा

महाप्रभु श्री जगन्नाथ का 'राज वेश' श्रृंगार और सुरमयी भजनों से भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जगन्नाथ समिति, सेक्टर-4 के तत्वाधान में सेक्टर-10 में निर्मित भव्य गुण्डिचा मंडप में महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी का रथयात्रा महोत्सव पूरी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। महोत्सव के तहत प्रतिदिन महाप्रभु का विशेष श्रृंगार, विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ और सांस्कृतिक व भजन संध्या का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुँचकर भक्ति रस का आनंद ले रहे हैं।

महाप्रभु का 'राज वेश' श्रृंगार और विष्णु सहस्त्रनाम का सस्वर पाठ

उत्सव के विशेष क्रम में आज भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा का अलौकिक 'राज वेश' में श्रृंगार किया गया। महाप्रभु के इस दिव्य रूप के दर्शन के लिए सुबह से ही भक्तों का ताँता लगा रहा। इसके साथ ही, श्री बालाजी मंदिर (सेक्टर-5) के सदस्यों द्वारा पूरी श्रद्धा के साथ विष्णु सहस्त्रनाम का सस्वर पाठ किया गया, जिससे पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा।

भक्ति संगीत की सुरमयी संध्या ने बांधा समां

महोत्सव के दौरान आयोजित सांस्कृतिक संध्या में 'सुर समर्पण ग्रुप' के कलाकारों ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। प्रकाश देवांगन के नेतृत्व में ग्रुप के मुख्य कलाकार दिलीप साहू, विश्व बंधन नाथ, राहुल किशन, निकिता साहू, अंकिता साहू और अजय आदि ने एक से बढ़कर एक हिंदी व पारंपरिक ओड़िया भजनों की प्रस्तुति देकर मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस गरिमामयी संगीत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के मुख्य प्रबंधक अजय रावल और जगन्नाथ समिति के महासचिव सत्यवान नायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सभी गायक कलाकारों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल सांस्कृतिक संयोजन त्रिनाथ साहू व रंजन महापात्र द्वारा किया गया, जबकि मंच व्यवस्था का दायित्व वृंदावन स्वाई ने संभाला।

महोत्सव की सफलता में इनका रहा सराहनीय योगदान

इस भव्य आयोजन को सुचारू और सफल बनाने में जगन्नाथ समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र सतपथी एवं महासचिव सत्यवान नायक के कुशल मार्गदर्शन में पूरी टीम सक्रिय भूमिका निभा रही है। समिति के पदाधिकारी त्रिनाथ साहू, भीम स्वांई, अनाम नाहक, डी त्रिनाथ, बसंत प्रधान, बी सी बिस्वाल, वृंदावन स्वाई, सुशांत सतपथी, कालू बेहेरा, प्रकाश स्वांई, कवि बिस्वाल, जगन्नाथ पटनायक, बीस केशन साहू, राजू बेहेरा, सीमांचल बेहेरा, वी के होता, कैलाश पात्रो और एस दलाई सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक व बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

निगम आयुक्त सुरूचि सिंह ने किया शहर के विकास कार्यों का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने 'मॉर्निंग विजिट' के तहत शहर के विभिन्न वार्डों और प्रमुख विकास परियोजनाओं का धरातलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने और गुणवत्ता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए। आयुक्त ने सबसे पहले गोठान की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मवेशियों के लिए चारे-पानी के समुचित प्रबंध और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

खेल सुविधाओं और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का लिया जायजा:
युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए निर्माणाधीन स्विमिंग पूल, हॉर्स राइडिंग, स्केटिंग ट्रैक और नालंदा परिसर का निरीक्षण कर आयुक्त ने गुणवत्तायुक्त कार्य के साथ निर्माण में तेजी लाने को कहा।

शहर की लाइफ लाइन माने जाने वाले 77 MLD वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन कर उन्होंने शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ विभिन्न स्थलों से पानी के सैंपल लेकर परीक्षण कराने के निर्देश दिए। कचांदुर में बन रहे निर्माणाधीन एसटीपी का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया। यह शासन की महत्वपूर्ण योजना है। प्लांट बनने के बाद कोसानाला और तेलहा नाला के अपशिष्ट जल का उपचार कर उसका उपयोग औद्योगिक, कृषि, बागवानी एवं अन्य कार्यों में किया जाएगा। खुर्सीपार स्थित एसएलआरएम सेंटर का भी जायजा लेते हुए आयुक्त ने कचरा प्रबंधन को और दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त डीके कोसरिया, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, सुनील जैन, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक अभियंता फत्ते लाल साहू, श्वेता वर्मा, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, अशोक देवांगन, चंदन निर्मल, विनय शर्मा सहित निगम के अन्य विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

बिलासपुर में फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने वाली महिला डॉक्टर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

तोरवा थाना के दो फर्जी सपर्दश के मामले में पुलिस ने फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने वाले सिम्स में पदस्थ रहीं महिला डॉक्टर प्रियंका सोनी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पूर्व में दोनों मामले में वकील सहित तीन लोगों को जेल भेजा गया था। कानून प्रवर्तन तोरवा पुलिस के अनुसार, तहसील कार्यालय के नायब नाजीर की रिपोर्ट पर तोरवा थाना में फर्जी सपर्दश से महमंद निवासी निसार खान व लता सूयवंशी की मौत के मामले में पुलिस अपराध कायम कर जांच में जुटी हुई थी।

जांच में खुलासा हुआ दोनों मामले में पूर्व में सिम्स में पदस्थ नागपुर निवासी डॉ. प्रियंका सोनी पति निहित सविता मोहन 37 साल के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया था और सर्पदंश से मौत होने की फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाई गई थी। 18 जुलाई 2026 को एएसआई देवेन्द्र तिवारी ने दोनों मामले में फरार डॉ. प्रियंका सोनी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। ज्ञात हो कि पूर्व में उक्त दोनों मामले में मृतक निसार खान की पत्नी सफीना बानो व मृतक लता सूयवंशी के पति संतोष सूयवंशी वकील रंजित कुमार चतुर्वेदी अटल आवास सैदा निवासी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। उक्त दोनों मामले में फर्जी प्रकरण बनाने वाले मुख्य आरोपी वकील पेण्डारी निवासी श्रवण वस्त्रकार पुलिस पकड़ से बाहर है। बताया जा रहा है कि वकील श्रवण वस्त्रकार लंबे समय से गंभीर बीमारी से ग्रस्त है और उसका इलाज चल रहा है।

GOSWWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings Flex Banner Vinyl Printing
One Way Vision Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
Order Now:
@baked.by.suhani
MO.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण
नौकरी में सहायक
प्रवेश प्रारंभ सत्र 2026-2027
निजी कंपनियां जैसे पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियाँ मिलती है।
प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट
सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

BA
BCA
BCom
BBA
BSc
PGDCA
MSc CHEMISTRY
MSc BIOTECHNOLOGY
MSc BOTANY
MSc ZOOLOGY
MSc COMPUTER Sc
MSc MATHS
MA ENGLISH
MCom
BLib
MLib
DCA
MA CHHATTISGARHI
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
70248 86996
99770 01027
Deepak Advertisers

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100